www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शुक्रवार
12 जून 2026
वर्ष: 49
अंक: 50 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

केदारनाथ यात्रा पर आए दो तीर्थयात्रियों की हार्टअटैक से मौत

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा पर आए दो तीर्थयात्रियों की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। प्रथम दृष्टया हार्टअटैक से मौत होना प्रतीत हो रहा है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नीलाभ खाली ने बृहस्पतिवार को मीठा पानी क्षेत्र में एक तीर्थयात्री माधव शिवराम शिंदे (66) निवासी मुंबई की तबीयत बिगड़ गई। डीडीआरएफ, वाईएमएफ व यात्रा मित्रों की टीम ने यात्री को एमआरपी जंगलचट्टी पहुंचाया। उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद रेस्क्यू टीम ने शव चीरबासा हेलिपैड पहुंचाया और गौरीकुंड लाए। बाद में 108 एंबुलेंस सेवा से शव सोनप्रयाग भेज दिया गया। वहीं यात्रा के लिए आई बिहार की एक महिला तीर्थयात्री की अचानक तबीयत बिगड़ गई। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक नीलाभ खाली ने बताया कि बिहार के आरा जिले के सैदपुर निवासी आरती देवी (56) एक होटल में ठहरी थीं। अचानक स्वास्थ्य खराब होने पर परिजनों ने उन्हें होटल में ही विश्राम करने की सलाह दी। देखभाल के लिए चालक को वहीं छोड़कर स्वयं केदारनाथ धाम रवाना हो गए। मगर बृहस्पतिवार सुबह अचानक उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ी। चालक उन्हें तत्काल सीएचसी लेकर आया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया कि परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम के लिए शव भेजा जाएगा।

गंगा में बहे दोनों युवकों का शव बरामद

श्रीनगर गढ़वाल : देवप्रयाग और कौडियाला में कुछ दिन पहले गंगा में बहे दो युवकों के शव मिल गए हैं। घटना के बाद से एसडीआरएफ और पुलिस टीम लगातार सर्च अभियान में जुटी हुई थी। पुलिस के अनुसार 6 व 7 जून को यह घटनाएं हुई थी।

पुलिस के अनुसार 6 जून को कौडियाला क्षेत्र में रिवेरा रेस्ट्रो के समीप एक व्यक्ति के गंगा नदी में डूबने की सूचना प्राप्त हुई थी। एसडीआरएफ ने सर्च अभियान चलाया। डूबे हुए व्यक्ति की पहचान आशीष जैन (उम्र 40 वर्ष), निवासी इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। बृहस्पतिवार 11 जून को एसडीआरएफ व स्थानीय पुलिस के संयुक्त अभियान के दौरान शिवपुरी क्षेत्र से उक्त युवक का शव मिला। देवप्रयाग थाना कोतवाली प्रभारी प्रशांत बहुगुणा ने बताया कि परिजनों की ओर से शव की पहचान की गई। दूसरी ओर, 7 जून को देवप्रयाग संगम स्थित गंगा नदी में डूबे युवक रजत तोमर पुत्र देशपाल सिंह उम्र 20 निवासी बागपत (उत्तर प्रदेश) का शव भी बृहस्पतिवार को एसडीआरएफ टीम व स्थानीय पुलिस को ब्यास घाट क्षेत्र से मिला।

कुकी समुदाय के 2 लोगों की हत्या

● 30 घर भी जलाए; एक दिन पहले 6 नगा लोगों के शव मिले थे

मणिपुर। मणिपुर में गुरुवार सुबह 4:55 बजे संदिग्ध उग्रवादियों के कुकी समुदाय के 2 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। 30 घरों में आग भी लगा दी गई। घटना कामजोंग जिले के कुलतूह कुकी गांव की है। एक दिन पहले कांगपोकपी जिले में नगा समुदाय के 6 लोगों के शव बरामद हुए थे। आशंका जताई गई है कि सभी शव उन 6 लोगों के हैं, जिन्हें 13 मई को लीलोन वैफेई गांव से अगवा किया गया था। पुलिस के मुताबिक दोनों की घटनाओं के बाद से इन इलाकों में तनाव का माहौल है। इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। मणिपुर के कांगपोकपी जिले के लीलोन वैफेई गांव से 13 मई को नगा समुदाय के 6 लोगों का अपहरण कर लिया गया था। करीब 29 दिन बाद, 9 जून को कराम वैफेई गांव से 6 शव मिले। माना जा रहा है कि ये शव उन्हीं छह लोगों के हैं, जिन्हें अगवा किया गया था। पुलिस के अनुसार, सभी शव बुधवार रात करीब 2 बजे पोरोम्पाट स्थित अस्पताल लाए गए। शवों के पहुंचने की खबर मिलते ही वहां सैकड़ों लोग जुट गए। भीड़ के कारण तनाव बढ़ गया, जिसके बाद हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।

घटना की जांच के लिए NIA और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की टीमें भी मौके पर पहुंच गई हैं।

3 साल में 731 मौतें

मणिपुर में जारी हिंसा-तनाव की वजह से बड़ी संख्या में लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। आरटीआई से मांगी गई जानकारी में सामने आया है कि तीन साल में 731 विस्थापित अपनी जान गंवा चुके हैं। चूराचांदपुर में सबसे ज्यादा 248, बिष्णुपुर में 151 और कंग्पोक्पी में 128 मौतें दर्ज हुई हैं। जबकि राज्य के 9 जिलों में अभी भी 43,676 लोग विस्थापित हैं।

केरलम में निपाह वायरस लौटा, संक्रमित वेंटिलेटर पर

● हॉस्पिटल स्टाफ क्वारंटीन, राज्य में इस साल पहला केस, 8 साल में छठी बार संक्रमण

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरलम में इस साल निपाह वायरस का पहला केस मिला है। इसकी जानकारी गुरुवार को सामने आई। मरीज 43 साल का है और कोझिकोड का रहने वाला है। राज्य सरकार ने रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया है।

मरीज को हल्का बुखार आने पर प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। बाद में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज भेजा गया। उसकी हालत गंभीर है और वह वेंटिलेटर पर है। स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने कहा, मरीज कई लोगों के संपर्क में आया था। अस्पताल के स्टाफ और उसके संपर्क में आए संभावित लोगों को क्वारंटीन रहने को कहा गया है। फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है। 2018 के बाद से केरलम में छठी बार संक्रमण फैला है। आखिरी बार दो साल पहले 2024 में दो केस मिले थे। इनमें एक मरीज की जान चली गई थी। कोझिकोड में जिस अस्पताल में मरीज का इलाज जारी है। वहां पुलिस की सख्त सुरक्षा है। बैरेकेडिंग भी लगाई गई है।

मरीज निपाह वायरस की चपेट में कैसे आया

अधिकारियों के मुताबिक, मरीज ने हाल ही में एक गोदाम किराए पर लिया था और खुद उसकी सफाई की थी। आशंका है कि इसी दौरान वह संक्रमण की चपेट में आया। निपाह वायरस मुख्य रूप से फ्रूट बैट (फल खाने वाले चमगादड़ों) से फैलता है।

1998 में मलेशिया में निपाह का पहला केस सामने आया- 1998-99 में पहली बार मलेशिया के सुंगाई निपाह गांव में इस वायरस की पहचान हुई। इसी गांव के नाम पर इसका नाम निपाह वायरस रखा गया। यह वायरस चमगादड़ से फैला था। चमगादड़ों से वायरस सूअरों तक पहुंचा। सूअरों के फार्म में काम करने वाले लोग संक्रमित हुए।

मलेशिया में 100 लोगों की मौत हुई

मलेशिया में लगभग 265 लोग संक्रमित हुए हुए थे। 100 से अधिक लोगों की मौत हुई। संक्रमण रोकने के लिए सरकार को 10 लाख से ज्यादा सूअरों को मारना पड़ा। इससे मलेशिया के पोर्क इंडस्ट्री को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

14 उम्मीदवार निर्विरोध राज्यसभा चुनाव जीते

भाजपा से 10, कांग्रेस से 4 चुने गए, जीतने वालों में मल्लिकार्जुन खड़गे और पवन खेड़ा शामिल

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/अहमदाबाद (एजेंसी)। 14 उम्मीदवार गुरुवार को निर्विरोध राज्यसभा चुनाव जीत गए। इनके सामने कोई और कैंडिडेट खड़ा नहीं था। इनमें 10 भाजपा और 4 कांग्रेस से हैं। चुनाव जीतने वालों में कर्नाटक से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मीडिया व प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा का नाम शामिल है। वहीं, राजस्थान से भाजपा के सतीश पूनिया, अलका गुर्जर और कांग्रेस के नीरज डांगी निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। इसके अलावा गुजरात से भाजपा के सभी चार राज्यसभा उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश से भाजपा के रजनीश अग्रवाल, तरुण चुघ और महेश केवट की जीत हुई है। हालांकि, इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस

उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के खिलाफ पार्टी की याचिका पर सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी थी।

12 सीटों पर 18 जून को वोटिंग

अंध्रप्रदेश की 4, झारखंड की 2 और मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल, मिजोरम, महाराष्ट्र, और तमिलनाडु की एक सीट पर 18 जून को वोटिंग होगी। यहां कांग्रेस को एक, भाजपा को 8, जेएमएम को दो और टीवीके को एक सीट पर जीत मिल सकती है।

244 सदस्यों वाली राज्यसभा में एनडीए के पास अभी 149 सांसद

244 सदस्यों वाली राज्यसभा में एनडीए के पास अभी 149 सांसद हैं, जबकि विपक्ष के पास 78 और गैर-गठबंधन वाले क्षेत्रीय दलों के पास 17 सांसद हैं।

भारतीय एमटी क्रू वाले जहाज पर लगातार दूसरे दिन भी हमला

● फौरन बंद हो अटैक- ओमान में 3 भारतीयों की मौत पर भारत सरकार का सख्त संदेश

होर्मुज में अमेरिकी हमले में 3 भारतीय मारे गए

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ओमान के तट के पास गुरुवार को भारतीय क्रू वाले जहाज एमटी जलवीर पर हमला हुआ है। हमले के बाद इस पर आग लग गई है। हमला किसने किया, इसकी जानकारी नहीं मिली है।

घटना के बाद भारतीय दूतावास ने कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और हालात पर नजर रखे हुए हैं।इससे पहले होर्मुज स्ट्रेट के पास बुधवार को तेल टैंकर 'एमटी सेत्तेबेल्लो' पर हुए अमेरिकी हमले में 3 भारतीयों के मौत की पुष्टि हो गई है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि अब तक दो के शव बरामद कर लिए गए हैं। इसे लेकर अमेरिकी सेना ने कहा था कि सेत्तेबेल्लो ईरानी

तेल ले जा रहा था। उसने चेतावनियों की अनदेखी की, जिसके बाद उस पर हमला किया गया।यह इस हफ्ते दूसरा मामला है जिसमें भारतीय क्रू वाले जहाज पर अमेरिका ने अटैक किया है। इससे पहले सोमवार को अमेरिका ने तेल टैंकर द मैरिवेक्स पर हमला किया था। उस जहाज पर भी 24 भारतीय नाविक सवार थे और सभी को ओमान की सेना ने सुरक्षित बचा लिया था।

रूस ने अमेरिका और ईरान से संयम बरतने की अपील की- रूस ने अमेरिका और ईरान से हमले रोककर फिर से बातचीत शुरू करने की अपील की है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि सभी पक्ष संयम बरतें और बातचीत की मेज पर लौटें। उनका कहना है कि तनाव बढ़ने से किसी का फायदा नहीं होगा।

पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों पर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है।

बिहार पहुंचा मानसून, 8 दिन में 17 राज्य कवर

2-3 दिन में झारखंड-छत्तीसगढ़ पहुंचेगा, यूपी-बिहार में आंधी और बिजली गिरने से 9 की मौत

पटना/भोपाल/जयपुर/लखनऊ/ (एजेंसी)। मानसून ने गुरुवार को बिहार में एंट्री कर ली है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी यह आगे बढ़ गया है। 4 जून को केरलम में एंट्री के बाद से मानसून 8 दिन में 17 राज्यों तक पहुंच चुका है। अगले 2-3 दिनों इसके में उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा पहुंचने की संभावना है।

बिहार के 11 जिलों में आज सुबह से आंधी-बारिश हो रही है। खगड़िया में बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग झुलस गए हैं। पटना, बक्सर,

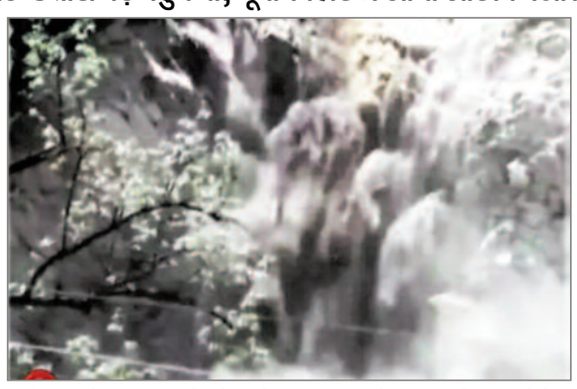

सुपौल समेत 5 जिलों में घने बादलों से अंधेरा छा गया। लोगों को गाड़ियों की लाइट जलाकर चलना पड़ा।

यूपी में आंधी से एक पेट्रोल पंप की छत उड़ गई। चित्रकूट में 4.5 करोड़ रुपए के ऑडिटोरियम की छत भी उड़ गई। बरेली, इटावा, सीतापुर और फिरोजाबाद में आंधी-तूफान से 4 लोगों की मौत हुई। पंजाब के मानसा में तेज आंधी के दौरान लोहे का गेट गिरने से 9 साल के बच्चे की मौत हो गई।

इधर, गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून का असर है। दिल्ली में खराब मौसम के चलते 2 फ्लाइट जयपुर डायवर्ट करनी पड़ीं।

राजस्थान के कई इलाकों में आंधी के साथ बारिश हुई। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में भी बरसात हुई।

गर्मी से राहत नहीं, 8 राज्यों में पारा 40 डिग्री पार

बारिश के बावजूद यूपी, दिल्ली, राजस्थान, एमपी, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब और हरियाणा के कई शहरों में पारा 40 डिग्री से ज्यादा रहा। देश में सबसे ज्यादा पारा पंजाब के भटिंडा में दर्ज किया गया। यहां पारा 46.2 डिग्री रहा। वहीं राजस्थान के श्रीगंगानगर में पारा 45.9डिग्री, यूपी के बांदा में 45.4 डिग्री, महाराष्ट्र के ब्रह्मपुरी में 45.5 डिग्री और एमपी के खजुराहो में 45 डिग्री दर्ज किया गया।

राम मंदिर में 7 करोड़ चढ़ावे की चोरी का आरोप

पूर्व अकाउंट इंचार्ज बोले- चंपत राय से शिकायत की तो हटा दिया, सीसीटीवी फुटेज डिलीट कराए

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में आए चढ़ावे में 7 करोड़ रुपए की चोरी के दावे पर सियासत जारी है। खुद को मंदिर का पूर्व लेखा प्रभारी बताने वाले महिपाल सिंह ने मीडिया से कहा कि मंदिर में चोरी कोई नई बात नहीं थी, यह रोजाना होती थी। मैंने खुद चोरी पकड़ी थी।

उन्होंने बताया कि इसकी शिकायत राम मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय और मेंबर गोपाल जी से

की थी। अगले ही दिन चंपत राय ने मुझे हटा दिया। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की 8 महीने पुरानी फुटेज डिलीट करवा दी गई। चंपत राय मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं में मनमर्जी चलाते हैं। अगर कोई विरोध करता है, तो उसे हटा दिया जाता है।

सपा प्रमुख और पूर्व मंत्री ने चोरी का मुद्दा उठाया था- सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने रविवार 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई है। अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामला देखना चाहिए। चंपत राय ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है।

महिपाल सिंह बोले- चढ़ावा कहां जमा होता है, सिर्फ चंपत राय को पता- खुद को मंदिर का पूर्व लेखा प्रभारी बताने वाले महिपाल सिंह ने मीडिया से कहा- जब मैं मंदिर में तैनात था, तब चढ़ावे में आने वाले सोने-चांदी के आभूषणों और बर्तनों का कहीं कोई रिकॉर्ड नहीं था।

जांच जरूरी है: विनय कटियार

राम मंदिर आंदोलन से जुड़े भाजपा नेता और बजरंग दल संस्थापक विनय कटियार भी लखनऊ से अयोध्या पहुंचे। उन्होंने कहा कि जिस तरह के आरोप हैं, उनकी सच्चाई सामने आनी चाहिए। जांच जरूरी है। मला करोड़ों लोगों की श्रद्धा और विश्वास से जुड़ा हो, तब पारदर्शिता महत्वपूर्ण होती है। जांच होगी तो वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

उत्तराखंड के चमोली में सड़क हादसा

गोपेश्वर (चमोली) (एजेंसी)। जनपद चमोली के दूरस्थ विकासखंड देवाल से एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। गुरुवार को कुनार-गेस मोटर मार्ग पर एक वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में लुढ़कते हुए सीधे कैल नदी में जा गिरा। इस भीषण हादसे में चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। वाहन में कुल सात लोग सवार थे।

नदी में समाया वाहन, मची चीख-पुकार- प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुनार के समीप चालक के नियंत्रण खो देने से वाहन खाई को पार करता हुआ सीधे उफनती कैल नदी में जा समाया। हादसा होते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना की भयावहता को देखते हुए स्थानीय ग्रामीण तुरंत रेस्क्यू के लिए घटनास्थल की ओर दौड़े।

तृणमूल कांग्रेस का संकट गहराया, ममता बेनर्जी को चौथा झटका

चार दिन में 4 इस्तीफे, कोयल मल्लिक ने भी छोड़ा दीदी का साथ

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी पराजय के बाद तृणमूल कांग्रेस का संकट लगातार गहराता जा रहा है। पार्टी के भीतर शुरू हुई बगावत विधानसभा से लेकर संसद तक पहुंच चुकी है। गुरुवार को राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बड़ाईक और अभिनेत्री-सांसद कोयल मल्लिक ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही पिछले चार दिनों में राज्यसभा से इस्तीफा देने वाले तृणमूल सांसदों की संख्या चार हो गई है। इससे पहले सुखेंदु शेखर राय और सुष्मिता देव भी उच्च सदन की सदस्यता छोड़ चुके हैं।

कल्याण बनर्जी का अल्टीमेटम- ममता मुझे चुनें या अभिषेक को

ममता बनर्जी की मुश्किलें कम होते नहीं दिख रही हैं। विधायक और सांसद लगातार उनका साथ छोड़ रहे हैं। इस बीच, उनके सबसे करीबी सांसद कल्याण बनर्जी की भी गुरुवार को नाराजगी सामने आई। उन्होंने कहा कि ममता दीदी को तय करना होगा कि वे मेरे साथ हैं या अभिषेक बनर्जी के साथ। अभिषेक को सीनियर नेताओं का सम्मान करना नहीं आता। वह बहुत अहंकारी हैं। इसी वजह से पार्टी बर्बाद हुई है। उन्होंने कहा, अगर ममता दीदी को अभिषेक बनर्जी पर ही निर्भर रहना है, तो उनके साथ रहें और मुझे छोड़ दे।

विकसित भारत के लिए विकसित उत्तराखंड का संकल्प

नीति आयोग में सीएम धामी ने रखा राज्य का विजन

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक में राज्य के विकास का रोड मैप प्रस्तुत किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने हिमालयी राज्यों के लिए जलवायु परिवर्तन, पारिस्थितिकी संरक्षण और आपदा प्रबंधन से जुड़े विषयों पर विशेष नीति समर्थन और दीर्घकालिक वित्तीय व्यवस्था पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत-2047 के संकल्प का आधार हमारी मानव पूंजी है। इसी सोच के अनुरूप उत्तराखंड सरकार मानव संसाधन विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार और युवा सशक्तिकरण पर विशेष बल दे रही है। इसके लिए राज्य सरकार ने प्रारंभिक बाल शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक अनेक सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में हजारों आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा गया है, विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, वर्चुअल क्लासरूम तथा कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही, उच्च शिक्षा संस्थानों में भी शोध, नवाचार एवं उद्यमिता को नई दिशा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ताकि युवाओं को रोजगार प्राप्त करने वाले के बजाय रोजगार सृजित करने वाला बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस और सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारत के लिए अपार संभावनाएं हैं। इसी उद्देश्य से प्रदेश में देवभूमि उद्यमिता विकास योजना, स्टार्टअप प्रोत्साहन कार्यक्रम, उद्योग-अकादमिक सहयोग तथा आईटीआई संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने जैसी पहल लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ह्लविकसित भारत के लिए विकसित उत्तराखंडह्व के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रही है। इसके लिए विगत वर्षों में 30 से अधिक विभिन्न नई नीतियों के माध्यम से कृषि, उद्योग, पर्यटन, ऊर्जा, सेवा क्षेत्र को एकीकृत करते हुए विकास के एक समन्वित मॉडल के तौर पर विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके परिणाम राज्य की अर्थव्यवस्था, निवेश, रोजगार एवं प्रति व्यक्ति आय में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

सुशासन और तकनीकी नवाचार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड ने सुशासन और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण पहल प्रारम्भ की हैं। देवभूमि परिवार पहचान योजना, खनन क्षेत्र में डिजिटल निगरानी प्रणाली, भूमि उपयोग परिवर्तन प्रक्रिया का ऑनलाइन सरलीकरण तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़े सुधारों ने शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया है। इसी तरह उत्तराखंड नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। पीरूल आधारित ऊर्जा उत्पादन जैसे नवाचार पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अमृतकाल के लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए विश्व की अग्रणी शक्तियों में अपना स्थान और अधिक सुदृढ़ करने की ओर अग्रसर है। उत्तराखंड भी इस राष्ट्रीय अभियान में अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता, ऊर्जा और सामर्थ्य के साथ योगदान देता रहेगा।

कुंभ और नंदा राजजात का निमंत्रण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 12 वर्ष के रिकॉर्ड कार्यकाल पर बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने देश के लोकतांत्रिक इतिहास में सर्वाधिक अवधि तक जनादेश प्राप्त कर निरंतर राष्ट्रसेवा का कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री सहित नीति आयोग के सभी सदस्यों को उत्तराखंड में अगले वर्ष आयोजित होने वाले कुम्भ मेला और नन्दा राजजात यात्रा का निमंत्रण दिया।

हरिद्वार में हो रही इमरान हाशमी की फिल्म की शूटिंग की तैयारी

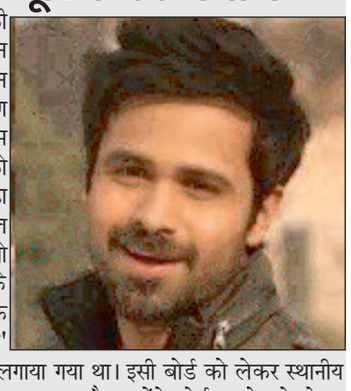

हरिद्वार। उत्तराखंड की धार्मिक नगरी हरिद्वार में इन दिनों बॉलीवुड स्टार इमरान हाशमी की फिल्म की शूटिंग चल रही है। इसी दौरान फिल्म के लिए बनाए गए सेट को लेकर हाल ही में एक बड़ा विवाद हो गया। दरअसल फिल्म की शूटिंग के लिए जो सेट बनाया गया था, उसके लिए स्थानीय मार्केट में एक मकान पर 'बार और कैफे' लिखा हुआ ग्लो साइन बोर्ड लगाया गया था। इसी बोर्ड को लेकर स्थानीय हिंदू संगठनों से जुड़े लोग भड़क गए और उन्होंने बोर्ड हटाने को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि हरिद्वार एक धार्मिक व अति पवित्र स्थल है, ऐसे में यहां पर बार और कैफे का बोर्ड लगाना इस जगह का अपमान करने जैसा होगा। लोगों के इस विरोध प्रदर्शन का 2.14 मिनट का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों को फिल्म के क्रू का विरोध करते हुए देखा जा सकता है। हंगामे का जो वीडियो सामने आया है, उसमें स्थानीय लोग फिल्म क्रू के सदस्यों से पूछते हैं कि आप कहां से आए हैं और आपको यहां ये बार और कैफे का बोर्ड लगाकर शूटिंग करने की इजाजत किसने दी है। तब क्रू मेंबर में से एक शख्स बताता है कि हम मुंबई से आए हैं और अभी आप रूक जाइए अभी वो आ रहे हैं, आपसे बात कर लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

गढ़वाल विवि के कुलपति ने बादशाहीथौल परिसर में निर्माण कार्यों का लिया जायजा

नई टिहरी। एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो. प्रकाश सिंह ने स्वामी रामतीर्थ परिसर बादशाहीथौल का भ्रमण कर परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने विज्ञान भवन, विज्ञान प्रयोगशालाओं और विभिन्न विभागों के लिए निर्माणाधीन कक्षों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने निर्माण एजेंसी और परिसर निदेशक प्रो. एए बौड़ाई को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता युक्त निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिसर में भविष्य में बीपीएड सहित अन्य नए पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है, उसके लिए सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर लें। इस बावत स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता प्रो. सुनीता गोदियाल को भी आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। परिसर निदेशक प्रो. बौड़ाई ने कुलपति को परिसर में संचालित निर्माण कार्यों, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों और विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। कुलपति के साथ विवि के भर्ती प्रकोष्ठ (रिक्रूटमेंट सेल) के समन्वयक प्रो. मोहन सिंह पंवार ने भी परिसर में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए विवि स्तर पर भर्ती प्रक्रिया संचालित करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर प्रो. आरसी रमोला, प्रो. जीडीएस नेगी, प्रो. शंकर लाल, डॉ. सुमन लता, छात्रसंघ अध्यक्ष आशीष राणा, यशवंत रावत, राकेश रमोला और उत्तम तोमर आदि मौजूद थे।

गेवंली में जैविक आउटलेट शुरू, किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक के गेवंली ग्राम सभा के नई उमंग कृषक उत्पादन समूह को कृषि विभाग ने नमामि गंगे योजना के तहत जैविक आउट भेंट किया। विधायक किशोर उपाध्याय ने जैविक आउट लेट का शुभारंभ करते हुए कहा कि गांव के काश्तकार जैविक आउट लेट के माध्यम से अपने जैविक उत्पादों की बिक्री कर और मुनाफा कमा सकते हैं। कृषि उत्पादन संगठन के अध्यक्ष सीताराम भट्ट ने विधायक को जैविक उत्पादों की बिक्री और विपणन की समस्या के बारे में बताया। विधायक ने ग्रामीणों को समस्या के समाधान का भरोसा दिया। वहीं दूसरी ओर जाखणीधार के न्याय पंचायत कुमारधार के नवाकोट गांव में ग्राम प्रधान यशोदा रतूड़ी की अध्यक्षता में खेत बचाओ अभियान के तहत कृषक गोष्ठी आयोजित की गई। विधायक उपाध्याय ने किसानों से पारंपरिक खेती को बढ़ावा देने के साथ नींबू प्रजाति के फलदार पौधे लगाकर आय बढ़ने को कहा। कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी पवन कुमार काला ने ग्रामीणों को कृषि योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने काश्तकारों से प्राकृतिक खेती अपनाने और संतुलित मात्रा में उर्वरकों प्रयोग की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र रानीचौरी के वैज्ञानिक डॉ आलोक येवले, डॉ पंकज कुमार , डॉ रीना जोशी ने काश्तकारों को मिट्टी जांच कराने, किसानों को जैविक खेती, बीज और खाद के उपयोग के बारे में बताया। एसबीआई उप प्रबंधक संजीव नेगी ने काश्तकारों के हित में संचालित योजनाओं, गीता उनियाल ने फसल बीमा के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर भगवती प्रसाद रतूड़ी, अंकुर कुमार, शिक्षा विश्वास, मीनू आदि मौजूद थे।

बदहाल बीएसएनएल सेवा से उपभोक्ता परेशान

बागेश्वर। तहसील क्षेत्र के पुड़कुनी गांव में बीएसएनएल नेटवर्क की खराब स्थिति से ग्रामीण परेशान हैं। लोगों का आरोप है कि कई दिनों से नेटवर्क या तो पूरी तरह गायब रहता है या फिर इतना कमजोर रहता है कि कॉल तक नहीं लग पाती। इससे ग्रामीणों को संचार संबंधी कार्यों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बीएसएनएल अधिकारियों से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की है। उनका कहना है कि नेटवर्क न होने से ऑनलाइन कार्य, बैंकिंग सेवाएं, सरकारी योजनाओं की जानकारी तथा आपातकालीन परिस्थितियों में संपर्क स्थापित करना मुश्किल हो गया है।

प्रमुख सड़कों पर साइकिल ट्रैक बनाने का सुझाव

देहरादून। शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाया जाए। इसके अलावा साइक्लिंग संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए साइकिल ट्रैक बनाए जाएं। ये सुझाव संयुक्त नागरिक संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्य नगर आयुक्त आलोक पांडे को दिए। गुरुवार को संगठन के महामंत्री सुशील त्यागी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नगर आयुक्त से मुलाकात की। इस दौरान संगठन ने शहर में सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा देने, हरित क्षेत्रों के वैज्ञानिक विकास तथा साइकिल ट्रैक नेटवर्क के विस्तार जैसे विषयों पर नगर आयुक्त से चर्चा की। संगठन ने सुझाव दिया कि सहस्त्रधारा रोड समेत प्रमुख मार्गों को कॉलोनियों और गलियों से साइकिल ट्रैक के माध्यम से जोड़ा जाए। मुख्य नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम उद्यान एवं हरित विकास के लिए विशेषज्ञों की सेवाएं ले रहा है, ताकि शहर में पौधारोपण और हरित क्षेत्रों का विकास वैज्ञानिक तरीके से किया जा सके। उन्होंने नागरिकों के रचनात्मक सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि नगर निगम जनभागीदारी के साथ शहर के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर पूर्व ब्रिगेडियर केजी बहल, दिनेश भंडारी, रवि सिंह नेगी, गुलिस्ता खानम, दीपचंद शर्मा, अवधेश शर्मा और सुशील सैनी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कल और परसों दून दौरे पर राष्ट्रपति, कई जगह डायवर्ट होगा ट्रैफिक

देहरादून। भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) की शनिवार को होने वाली पासिंग आउट परेड में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी। इसके लिए वह शुक्रवार दोपहर दून पहुंच जाएंगी। उनके दो दिवसीय दौरे के दौरान कई इलाकों में ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। इस बीच यह दूसरा शनिवार भी है। ऐसे में अतिरिक्त पर्यटक उमड़ने की संभावना है। इससे जमा परेशान कर सकता है। ट्रैफिक पुलिस ने इसका प्लान जारी कर दिया है। 12 जून का ट्रैफिक प्लान

12 जून का ट्रैफिक प्लान

– ऋषिकेश और भानियावाला की ओर से आने वाले वाहन रानीपोखरी, भोगपुर से थानो रोड होते हुए छह नंबर पुलिया, सहस्त्रधारा क्रॉसिंग और सर्वे चौक से शहर में प्रवेश करेंगे। मसूरी जाने वाले वाहन छह नंबर पुलिया से सहस्त्रधारा क्रॉसिंग से आईटी पार्क और साईं मंदिर होते हुए मसूरी जाएंगे।

– हरिद्वार से दून आने वाले वाहन भानियावाला फ्लाईओवर सर्विस लेन से डोईवाला चौक, दूधली मार्ग होते हुए कारगी चौक से दून शहर में एंट्री करेंगे।

मसूरी में साइकिल रिक्शा की जगह नजर आएंगे ई ऑटो

देहरादून। अगर मसूरी प्रशासन कीयोजना सफल हुई तो क्षेत्र में बढ़ती यातायात समस्या और जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। नगर पालिका परिषद मसूरी ने ई–रिक्शा सेवा शुरू करने की दिशा में कवायद शुरू कर दी है किंक्रेगा से लाइब्रेरी पिक्चर पैलेस व मालरोड सहित शहर के विभिन्न मार्गों पर ई–रिक्शा, ऑटो का ट्रायल किया गया। ट्रायल पूरी तरह से सुरक्षित व सफल साबित हुआ। अब प्रशासन व पालिका को ई रिक्शा संचालित करने के लिए संबंधित पक्षों के साथ बैठक कर निर्णय लेना है एसडीएम राहुल आनंद के नेतृत्व में किंक्रेगा से ई रिक्शा ऑटो का ट्रायल किया गया। स्वयं एसडीएम व नगर पालिका अधिशासी अधिकारी गौरव भसीन, एआरटीओ व पुलिस विभाग के अधिकारियों ने पिक्चर पैलेस, लाइब्रेरी व मालरोड पर परीक्षण किया। चढ़ाई तथा उतराई में भी इसका परीक्षण किया गया, जिसमें यह सफल व सुरक्षित रहा। एसडीएम राहुल आनंद ने बताया कि ई–रिक्शा जिसे ई आटो भी कह सकते हैं, का परीक्षण कुलड़ी की चढ़ाई, लंढौर सहित पिक्चर पैलेस व लाइब्रेरी में किया गया जो पूरी तरह सफल रहा।

भाजपा महिला मोर्चा ने दिया कम तेल की थाली से स्वस्थ जीवन और बचत का संदेश

विकासनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संसाधनों की बचत और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील को आगे बढ़ाते हुए भाजपा महिला मोर्चा ने ह्यकम तेल की थाली, स्वस्थ भारत की खुशहालीह्न कार्यशाला का आयोजन किया। सुद्धोवाला के एक वेडिंग प्वाइंट में आयोजित कार्यशाला में महिलाओं को कम तेल में स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यशाला में शिरकत कर रहे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि देशहित की कोई भी मुहिम महिलाओं की भागीदारी के बिना सफल नहीं हो सकती। भले ही हर घर में वाहन न हो, लेकिन रसोई हर घर में होती है। ऐसे में तेल बचाने और स्वस्थ भोजन अपनाने का संदेश महिलाओं के माध्यम से सबसे प्रभावी ढंग से समाज तक पहुंच सकता है। सहसपुर विधायक सहदेव पुंडीर ने कहा कि रसोई सिर्फ भोजन बनाने का स्थान नहीं, बल्कि स्वस्थ नागरिकों और मजबूत समाज की नींव रखने का केंद्र है, लिहाजा भाजपा महिला मोर्चा को इस अभियान को व्यापक जनजागरण के रूप में आगे बढ़ाना चाहिए। बताया कि यह कार्यक्रम भाजपा के जनसंपर्क अभियान का हिस्सा माना जा रहा है। महिला मोर्चा के माध्यम से पार्टी न सिर्फ प्रधानमंत्री के संदेश को घर–घर पहुंचाने का प्रयास कर रही है, बल्कि महिलाओं के बीच संगठन की सक्रियता और संपर्क को भी मजबूत बना रही हैं।

जनता के विश्वास की जीत है नरेंद्रनगर का जनादेश

देहरादून नगर पालिका परिषद नरेंद्रनगर में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद कैबिनेट मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक सुबोध उनियाल ने इस जनादेश को जनता की जीत बताते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और विकास की राजनीति पर जनता की मुहर बताया। उन्होंने कहा कि नरेंद्रनगर की यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्पित है और जनता के इसी विश्वास के बल पर आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा 50 सीटों के साथ पुनः सरकार बनाएगी।सुबोध उनियाल ने कहा कि उन्हें राजनीति में आने के बाद से नरेंद्रनगर विधानसभा की जनता का लगातार सहयोग, स्नेह और आशीर्वाद मिलता रहा है उन्होंने कहा कि भाजपा ने जिस भी व्यक्ति को प्रत्याशी बनाया, जनता ने उसे भरपूर समर्थन देकर विजयी बनाया है, जिसके लिए वे क्षेत्र की जनता के सदैव आभारी रहेंगे।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में उत्तराखंड महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और भाजपा सरकार प्रदेश के विकास को नई उंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य जारी रखेगी। चुनाव प्रचार के दौरान एक महिला द्वारा की गई अभद्रता से जुड़े सवाल पर मंत्री उनियाल ने कहा कि लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता की अदालत करती है और जनता ने अपना निर्णय दे दिया है। उन्होंने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान नरेंद्रनगर विधानसभा के चौमुखी विकास पर है तथा भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश में पुनः भाजपा सरकार बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

हड़ताल खत्म होते ही सफाई व्यवस्था पटरी पर

हरिद्वार। कर्मचारी और व्यापारी के बीच हुए विवाद के बाद ठप पड़ी शहर की सफाई व्यवस्था को बहाल करने के लिए नगर निगम ने बुधवार देर रात दो बजे तक विशेष अभियान चलाया। निगम की टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर आधी रात तक करीब 152 मीट्रिक टन कूड़ा उठाया। सफाई व्यवस्था प्रभावित होने से शहर के कई हिस्सों में कूड़े के ढेर लग गए थे, जिससे स्थानीय लोगों और व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मालूम हो कि बीते दिनों नगर निगम के एक कर्मचारी और व्यापारी के बीच हुए विवाद के बाद निगम कर्मचारियों ने विरोध स्वरूप कार्य बहिष्कार कर दिया था। कर्मचारियों का आरोप था कि ड्यूटी के दौरान उनके साथ अभद्रता की गई, जबकि व्यापारी पक्ष ने भी अपने स्तर पर शिकायत दर्ज कराई थी। विवाद बढ़ने के बाद सफाई कर्मियों ने काम बंद कर दिया, जिससे शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो गई और विभिन्न बाजारों, मुख्य मार्गों तथा आवासीय क्षेत्रों में कूड़ा जमा होने लगा। मामले के समाधान के लिए प्रशासन, नगर निगम अधिकारियों और संबंधित पक्षों के बीच कई दौर की वार्ता हुई।

पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर लौटे परिजन

देहरादून। झड़ीपनी कोल्हूखेत बाईपास मार्ग पर कार के ब्रेक फेल होने से चार लोगों की मौत की मौत के मामले में पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

वहीं, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए। हादसे में मृतक लोगों के परिजन शव लेकर घर लौट गए। बुधवार को झड़ीपनी कोल्हूखेत बाईपास मार्ग पर कार के ब्रेक फेल होने से चार लोगों की मौत हो गई थी। हादसे में मां–बेटे समेत सरकारी टीचर की मौत हुई थी। मसूरी पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच की। घटनास्थल के साथ ही कार की भी टेक्निकल टीम जांच करेगी। वहीं, 10 जून की देर रात 11 बजे करीब पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू की जो रात्रि 2 बजे तक चली।

मसूरी कोतवाली के इंस्पेक्टर देवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि देर रात पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। परिजन रात को ही मसूरी से वापस लौट गए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने में लगभग 20 दिन का समय लगेगा। इसके बाद ही अग्रिम कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। संभवतः कार के ब्रेक फेल होने से ही उक्त दुर्घटना हुई है।

मसूरी खेत बाईपास मार्ग पर कार दुर्घटना होने के बाद स्थानीय निवासियों के द्वारा उक्त स्थान पर सुरक्षा इंतजाम नहीं होने को लेकर आक्रोश व्यक्त किया गया।

ऑनलाइन ठगी मामले में पीड़ित को दिलाए 17 हजार

बागेश्वर। बागेश्वर पुलिस की साइबर सेल ने ऑनलाइन ठगी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ति के 17 हजार रुपये वापस कराए हैं। साइबर सेल की सक्रियता के चलते वर्ष 2026 में अब तक करीब 7.50 लाख रुपये की ठगी गई धनराशि विभिन्न पीड़तिों को वापस दिलाई जा चुकी है। साइबर सेल को एक व्यक्ति ने शिकायत देकर बताया कि अज्ञात साइबर ठगों ने झांसा देकर उसके बैंक खाते से 17 हजार रुपये निकाल लिए हैं। शिकायत मिलते ही टीम ने तकनीकी विश्लेषण शुरू किया और संबंधित बैंक व पेमेंट गेटवे से संपर्क साधा।

युवाओं के लिए बन रहा रोजगार का मजबूत आधार- डीएम पाण्डे

बागेश्वर। पर्वतीय क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में बागेश्वर प्रशासन लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने गुरुवार को कपकोट तहसील के जगथाना स्थित मत्स्य जीवी समिति द्वारा संचालित ट्राउट मछली पालन परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्लस्टर आधारित मत्स्य पालन मॉडल को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसकी सराहना की और कहा कि यह मॉडल विशेष रूप से युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि मत्स्य पालन अब केवल एक पारंपरिक गतिविधि नहीं रह गया है, बल्कि कृषि के साथ आय का एक सशक्त एवं स्थायी स्रोत बनकर उभर रहा है। इससे स्थानीय लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार आने के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिल रही है। उन्होंने मत्स्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक युवाओं और किसानों को इस व्यवसाय से जोड़ने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार की जाए,

यूकेएसएसएससी परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा, निष्पक्ष संचालन के दिए निर्देश

अल्मोड़ा। उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 14 जून को आयोजित होने वाली विभिन्न विभागों के स्नातक स्तरीय पदों की लिखित प्रतियोगी परीक्षा के सफल एवं निष्पक्ष संचालन को लेकर जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक नवीन कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। गुरुवार को आयोजित बैठक में परीक्षा से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, विद्युत आपूर्ति और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने परीक्षा संचालन के लिए नियुक्त सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेटों को अपने–अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करने तथा परीक्षा केन्द्रों की व्यवस्थाओं का पूर्व सत्यापन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्रों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों और जैमर की कार्यशीलता का पूर्व परीक्षण कर लिया जाए तथा परीक्षा अवधि के दौरान उनकी सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को परीक्षा के दौरान पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही किसी भी समस्या की स्थिति में त्वरित समन्वय स्थापित कर उसका समाधान सुनिश्चित करने को कहा। दूरस्थ क्षेत्रों में तैनात अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में प्रतिभाग करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र, नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा सहित परीक्षा से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिद्वार। रानीपुर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को शिवालिक नगर चौक पर प्रदर्शन किया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने विधायक आदेश चौहान के कैंप कार्यालय का घेराव किया और क्षेत्र की समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। प्रदर्शन का नेतृत्व युवा कांग्रेस रानीपुर विधानसभा अध्यक्ष सौरभ सैनी ने किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालेश्वर सिंह और राजबीर चौहान ने कहा कि रानीपुर विधानसभा की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है, लेकिन विधायक आदेश चौहान क्षेत्र की समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता को सड़क, जल निकासी, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए लगातार परेशान होना पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

प्रस्तावित ट्रेंचिंग ग्राउंड के विरोध में आंदोलन जारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कंचनपुरी कूड़ा निस्तारण विरोध संघर्ष समिति का भाबर क्षेत्र के अंतर्गत कंचनपुरी हल्दूखाता में प्रस्तावित कूड़ा निस्तारण केंद्र (ट्रेंचिंग ग्राउंड) के विरोध में चल रहा सत्याग्रह आंदोलन 20वें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर डटे प्रदर्शनकारियों का कहना है कि आबादी क्षेत्र के निकट कूड़ा निस्तारण केंद्र बनाए जाने से पर्यावरण, जनस्वास्थ्य और स्थानीय लोगों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने प्रशासन से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए प्रस्तावित योजना को निरस्त करने की मांग की। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि जब तक कंचनपुरी में कूड़ा निस्तारण केंद्र बनाने की योजना वापस नहीं ली जाती तब तक उनका शांतिपूर्ण सत्याग्रह आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। सत्याग्रह आंदोलन में गीता बिष्ट, मीना लखेड़ा, सीमा भट्ट, सरोज भट्ट, शारदा देवी, अनीता देवी, गंगोत्री देवी, चंपा देवी उनियाल, भुवनेश्वरी देवी, प्यारी देवी रावत, कमला देवी बिष्ट शामिल रहे।

पोस्टर में तनीषा राणा ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : छबी सेवा फाउंडेशन, छबी विश्व फाउंडेशन एवं मॉन संस्था ने गुरूवार को पराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में कैंसर जागरूकता विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाणपत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अतुल बमराड़ा ने बताया कि प्रतिभागियों ने कैंसर की रोकथाम, स्वस्थ जीवनशैली, तंबाकू निषेध, प्राथमिक जांच व रोग से जुड़े सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं पर आधारित संदेश परक पोस्टर प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कैंसर के लगभग 40 प्रतिशत मामलों को उचित जागरूकता, स्वस्थ जीवनशैली और समय पर जांच के माध्यम से रोका जा सकता है। उन्होंने युवाओं से कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस दौरान प्रतियोगिता में तनीषा राणा ने प्रथम, विकास भारती ने द्वितीय और पिंकी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर शीतल ममगाईं, अक्षत खुगशाल, पूनम बमराड़ा आदि मौजूद रहे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में लापरवाही नहीं चलेगी: डीएम

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी विशाल मिश्रा ने एसआईआर कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए हैं। बृहस्पतिवार को एनआईसी सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बूथ स्तर पर गणना प्रपत्रों के वितरण और संग्रहण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्य पूरा करने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए और सभी गतिविधियों का रिकॉर्ड रखा जाए। जिलाधिकारी ने सभी आरओ और एआरओ को प्रतिदिन सुबह 10 बजे और शाम 5 बजे तक प्रगति रिपोर्ट कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, सहायक निर्वाचन अधिकारी विपिन चंद्र जोशी व संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ड्रेनेज व्यवस्था न होने से वसंत विहार में हो रहा जलभराव

रुद्रप्रयाग। निर्माणाधीन बाईपास में ड्रेनेज व्यवस्था न होने से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। बृहस्पतिवार को नगर पंचायत क्षेत्र के वसंत विहार के लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के कार्यालय पहुंचकर बाईपास निर्माण से जुड़ी समस्याओं को लेकर एनएच के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा और समाधान की मांग की। चंद्र सिंह रावत ने बताया कि बाईपास के कॉजवे के कारण बरसात का पानी सीधे आबादी की ओर आ रहा है और घरों में घुस रहा है। बारिश के दौरान पानी पूर्व विधायक स्व. शैला रानी रावत के घर में भी पानी घुसा। दिगपाल सिंह नेगी ने कहा कि निर्माणाधीन बाईपास में सड़क के किनारे नालियों का निर्माण किया जाना चाहिए। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिशासी अभियंता ओमकार पांडे ने बताया कि स्थानीय लोगों के साथ मौके का निरीक्षण किया गया है। बिना समुचित ड्रेनेज व्यवस्था के इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जहां-जहां आवश्यकता होगी वहां स्थानीय जनता के सहयोग से भूमि अधिग्रहण कर ड्रेनेज की व्यवस्था बनाई जाएगी। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र गोस्वामी, चंद्र सिंह राणा, अनिल बेंजवाल, सभासद उमा कैंतुरा, विजय कुमार, गजे सिंह कंडारी, राजेंद्र पुरोहित और द्वारिका सेमवाल आदि मौजूद रहे।

पंचायतों से शुरू होगी तंबाकू मुक्त रुद्रप्रयाग की मुहिम

रुद्रप्रयाग। जनपद को तंबाकू मुक्त बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने अभियान शुरू कर दिया है। प्रथम चरण में पुनाड़, कमेड़ा, लमेरी व डुंगरी ग्राम पंचायतों को पूरी तरह तंबाकू मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए बृहस्पतिवार को जिला पंचायत सभागार में कार्यशाला आयोजित की गई।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश के निर्देशन में आयोजित कार्यशाला में चारों ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों, सीएचओ और आशा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

इस दौरान पुनाड़ के ग्राम प्रधान नरेंद्र सिंह, कमेड़ा की ग्राम प्रधान ऊषा देवी, लमेरी की ग्राम प्रधान प्रतिभा व डुंगरी की ग्राम प्रधान विनायका भट्ट ने अपने गांवों को तंबाकू मुक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यशाला में तंबाकू नियंत्रण अधिनियम की जानकारी देते हुए ग्रामीण स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने पर चर्चा हुई। तय हुआ कि इन चार ग्राम पंचायतों को मॉडल के रूप में विकसित करने के बाद अभियान का विस्तार अन्य पंचायतों में भी किया जाएगा। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के सोशल वर्कर दिगपाल कंडारी, बालाजी सेवा संस्थान देहरादून के डिविजनल कोऑर्डिनेटर अजीत सिंह, सुधांशु आदि मौजूद रहे।

लापरवाह बना जल संस्थान

गंदगी के बीच पाईप लाइन

शहर में गंदी नालियों के बीच से गुजर रही पेयजल लाइनें, लीकेज पेयजल लाइनों से घरों में पहुंच रहा गंदा पानी

कोटद्वार के काशीरामपुर तल्ला में गंदगी के बीच से गुजरती पेयजल लाइन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कुछ वर्ष पूर्व काशीरामपुर तल्ला में गंदा पानी पीने से कई परिवार डायरिया की चपेट में आ गए थे। इसके बाद जिले के उच्चाधिकारियों ने कोटद्वार जल संस्थान को गंदी नालियों के बीच से गुजर रही पेयजल लाइनों को हटाने के निर्देश दिए। लेकिन, यह निर्देश हवाई साबित हुए। नतीजा, आज भी क्षेत्र में पेयजल लाइनें गंदगी नालियों के बीच से गुजर रही है। जिससे शहर की एक बड़ी आबादी को संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। घर-घर पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए करीब सत्तर के दशक में शहर में पेयजल लाइन बिछाई गई थी। उस समय कोटद्वार व भाबर की जनसंख्या मात्र बीस से तीस हजार थी।

लेकिन, वर्तमान में यह संख्या डेढ़ लाख से अधिक पहुंच चुकी है। ऐसे में शहर में कनेक्शनों की संख्या तो बढ़ी लेकिन, पेयजल लाइनें दशकों पुरानी ही चल रही है। ऐसे में बूढ़ी हो चुकी इन पेयजल लाइनों के लीकेज होने की समस्या आम हो चुकी है। सबसे बड़ी परेशानी यह है कि गंदी नालियों के बीस से गुजर रही इन लीकेज पेयजल लाइनों से घरों में गंदा पानी आ रहा है। वर्तमान में काशीरामपुर तल्ला, कौड़िया, काशीरामपुर मल्ला, बालासौड़, आमपड़ाव सहित अन्य वार्डों में गंदे पानी की समस्या बनी हुई है। पूर्व में क्षेत्रवासियों ने समस्या से विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण व जल संस्थान के अधिकारियों को भी अवगत करवाया था। लेकिन, अब तक हालात जस के तस बने हुए हैं। ऐसे में गर्मी के मौसम में समस्या और अधिक विकराल हो सकती है।

सीवर के साथ पेयजल लाइन

कोटद्वार शहर में कई स्थानों पर सीवर के साथ पेयज लाइन गुजर रही है। ऐसे में कई बार घरों में आने वाले पानी में सीवर की दुर्गंध तक आने लगती है। कई बार पानी के साथ कीड़े भी पहुंच जाते हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण काशीरामपुर तल्ला में देखने को मिल रहा है। जहां सीवर के गंदे पानी के बीच गुजरती पेयजल लाइनें आसानी से देखी जा सकती है।

डोर-टू-डोर जाकर लोगों से संपर्क साध रहे बीएलओ

श्रीनगर गढ़वाल : मतदाता सूची को त्रुटिहीन बनाने और नए वोटर्स को जोड़ने के लिए श्रीनगर तहसील क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। अभियान के तहत घर-घर सत्यापन चरण शुरू हो चुका है जिसमें बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) डोर-टू-डोर जाकर लोगों से संपर्क साध रहे हैं। आठ जून से शुरू हुए इस अभियान के तहत बीएलओ प्रत्येक घर में जाकर परिवारों को गणना प्रपत्र (सर्वे फॉर्म) वितरित कर रहे हैं।

इस पूरी कवायद का मुख्य उद्देश्य 18 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके नए मतदाताओं के नाम सूची में दर्ज करना, मृतकों या दूसरी जगह स्थानांतरित हो चुके लोगों के नाम हटाना और नाम, पते या उम्र में आवश्यक संशोधन करना है। बीएलओ की टीमें कड़ी मेहनत के साथ घर-घर दस्तक दे रही हैं। लोगों की ओर से भरे गए गणना प्रपत्र प्राप्त होने के बाद बीएलओ इस पूरे डेटा को निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड करेंगे। श्रीनगर तहसील क्षेत्र में सुचारु मतदान के लिए कुल 49 बूथ बनाए गए हैं। इनमें से 28 बूथ शहरी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं, जबकि 21 बूथ ग्रामीण अंचलों में हैं। (एजेंसी)

चारधाम यात्रा मार्ग पर तेजी से लग रहे क्रश बैरियर

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा मार्ग पर दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने और यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) विभाग ने ऋषिकेश से रुद्रप्रयाग के बीच क्रश बैरियर लगाने का कार्य तेज कर दिया है। जिन स्थानों पर अब तक बैरियर नहीं लगे हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर इन्हें लगाया जा रहा है, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

एनएच अधिकारियों के अनुसार, चारधाम यात्रा के दौरान इस मार्ग पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ जाता है। ऐसे में संवेदनशील और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है। क्रश बैरियर लगने से वाहन चालकों को अतिरिक्त सुरक्षा मिलेगी और दुर्घटनाओं के जोखिम में कमी आएगी। एनएच डिवीजन श्रीनगर के अधिशासी अभियंता राजवीर सिंह चौहान ने बताया कि ऋषिकेश से रुद्रप्रयाग के बीच लगभग 20 किमी. क्षेत्र में बैरियर लगाने का कार्य शेष था। विभाग ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है और इसे जल्द पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी आवश्यक कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जहां-जहां सड़क किनारे सुरक्षा व्यवस्था कमजोर है या बैरियर क्षतिग्रस्त हैं, वहां नए बैरियर लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही मार्ग की नियमित निगरानी भी की जा रही है ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। (एजेंसी)

मानसून की तैयारी में जुटा प्रशासन, दिए आवश्यक निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कुछ दिन बाद शुरु होने वाले मानसून को देखते हुए प्रशासन ने कमर कसनी शुरु कर दी है। उपजिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को हर मोर्चे पर तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। कहा कि लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गुरुवार को उपजिलाधिकारी संदीप कुमार ने तहसील में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि कुछ दिन बाद मानसून शुरु होने वाला है। ऐसे में हर विभाग को जिम्मेदारी के साथ कार्य कारना होगा। उपजिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग से आपदा के दौरान बंद होने वाले मोटर मार्गों को शीघ्र खोलने के लिए उपलब्ध पोकलैंड मशीनों की लोकेशन तथा मशीन ऑपरेटरों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं की सूची तैयार करने को कहा गया, ताकि आपदा की स्थिति में समय रहते उनसे संपर्क कर आवश्यक सहायता पहुंचाई जा सके। लोक निर्माण विभाग धुमाकोट खंड के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटद्वार-दुगड्डा मार्ग के बीच

तहसील परिसर में अधिकारियों की बैठक लेते उपजिलाधिकारी

12 संवेदनशील स्थलों को चिह्नित किया गया है, जहां सुरक्षा संबंधी कार्य कराए जा रहे हैं। इसके अलावा आपदा प्रबंधन के लिए विस्तृत कार्य योजना भी तैयार की गई है। उपजिलाधिकारी ने सभी विभागों को पर्वतीय क्षेत्रों में ग्राम प्रधानों और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य तत्काल शुरू किए जा सकें। बैठक में राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, उद्यान विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, बाल विकास, शिक्षा विभाग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सिद्धबली मंदिर के प्रवेश द्वार पर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, दुकानदारों में रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत गुरुवार को प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम ने श्री सिद्धबली मंदिर के प्रवेश द्वार के समीप स्थित अस्थायी दुकानों को हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान प्रसाद एवं अन्य सामान बेचने वाले दुकानदारों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए नाराजगी जताई।

गुरुवार सुबह नगर निगम और प्रशासन की टीम मंदिर के प्रवेश द्वार पर पहुंची और दुकानदारों को एक घंटे के भीतर झोपड़ियां एवं अन्य सामान हटाने के निर्देश दिए। चेतावनी के बाद दुकानदार अपने सामान को हटाने में जुट गए। इसके बाद टीम ने बुलडोजर की सहायता से कुछ अस्थायी दुकानों को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों ने दुकानदारों को दोबारा अतिक्रमण न करने की चेतावनी देते हुए कहा कि संबंधित भूमि लोक निर्माण विभाग की है। सड़क किनारे दुकानें लगने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही थी, जिसके चलते कार्रवाई की गई। वहीं, प्रभावित दुकानदारों

सिद्धबली मंदिर के समीप से हटाया गया अतिक्रमण

ने आरोप लगाया कि प्रशासन छोटे व्यापारियों को निशाना बना रहा है, जबकि स्थायी अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती। उनका कहना है कि वे वर्षों से छोटी-छोटी दुकानें लगाकर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे, लेकिन अब उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। दुकानदारों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे नगर निगम और प्रशासन के खिलाफ आंदोलन शुरू करेंगे।

जिपं सदस्य ने मंडलायुक्त को सौंपा विकास कार्यों को लेकर ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड थलीसैंण के टीला सीट के जिपं सदस्य डॉ. शिवचरण नौडियाल ने मंडलायुक्त आनंद स्वरूप से मुलाकात कर आपदा प्रबंधन, विद्युत, सड़क, पेयजल व कृषि से जुड़ी विभिन्न समस्याएं आयुक्त को बताईं। उन्होंने विकास कार्यों को लेकर मंडलायुक्त को ज्ञापन सौंपा। की। मंडलायुक्त ने जनसमस्याओं को सुना और जल्द समाधान का भरोसा दिया।

गुरूवार को डॉ. शिवचरण नौडियाल ने आयुक्त कार्यालय में मंडलायुक्त से मुलाकात कर क्षेत्र में युवा कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की मांग की। कहा कि रोजगार के सीमित अवसरों के कारण क्षेत्र के युवा लगातार पलायन कर रहे हैं। यदि स्थानीय स्तर पर कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाता है तो युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि ग्राम बंगाणियों, स्योली तल्ली आदि गांवों में करीब 10-12 सालों से कृषि भूमि व मुख्य मार्गों के बीच स्थापित बिजली के खंभों को अयंत्र स्थापित किया जाए। इनसे ग्रामीणों व पशुओं की सुरक्षा के लिए लगातार खतरा बना हुआ है। साथ ही कुंवाखरक, कांडा बरतोली, बहेड़ी, भरीख, किमोली आदि के विभिन्न संपर्क मार्गों और पुलियों के निर्माण कार्यों को जल्द पूरा करने की भी मांग की।

खाद्य एवं पूर्ति विभाग एक्शन मोड में, प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा के मद्देनजर यात्रियों और स्थानीय लोगों को शुद्ध व गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए खाद्य एवं पूर्ति विभाग लगातार एक्शन मोड में है। गुरूवार को विभाग की टीम ने श्रीकोट क्षेत्र में होटलों, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई जगह साफ-सफाई का अभाव और रेट लिस्ट चस्पा न होने जैसी कमियां सामने आईं जिस पर टीम ने संचालकों को कड़ी चेतावनी दी है।

पूर्ति निरीक्षक विजय कुमार कैंतुरा के नेतृत्व में टीम ने श्रीकोट बाजार और हाईवे से लगे प्रतिष्ठानों की सघन जांच की गई। टीम ने मुख्य रूप से प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई की व्यवस्था, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, इस्तेमाल किए जा रहे तेल, एक्सपायरी डेट और मूल्य सूची (रेट लिस्ट) की जांच की। निरीक्षण के दौरान कई होटलों और ढाबों की रसोई में गंदगी पाई गई। इसके अलावा कई दुकानदारों ने की ओर से दुकान में रेट लिस्ट भी चस्पा नहीं की गईं। पूर्ति निरीक्षक विजय कुमार कैंतुरा ने बताया कि जिन प्रतिष्ठानों में खामियां मिली हैं उनके संचालकों को कड़ी हिदायत देते हुए तत्काल प्रभाव से कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी को साफ-सफाई दुरुस्त रखने और अनिवार्य रूप से स्पष्ट रेट लिस्ट चस्पा करने को कहा गया है। उन्होंने दो टूक चेतावनी दी है कि संचालकों को सुधार के लिए समय दिया गया है यदि तय समय सीमा के भीतर व्यवस्थाओं में सुधार नहीं मिला तो संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ चालानी कार्रवाई और विभागीय नियमों के तहत सख्त एक्शन लिया जाएगा। निरीक्षण अभियान में पूर्ति निरीक्षक के साथ टीम में मनवर सिंह, संतोष कुमार सहित विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। (एजेंसी)

16 जून को नन्दानगर में आयोजित होगा तहसील दिवस

चमोली : जनता की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से 16 जून (मंगलवार) को नन्दानगर में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम विकासखण्ड सभागार, नन्दानगर में प्रातः 11 बजे से अपराह्न 2 बजे तक आयोजित होगा। तहसील दिवस में क्षेत्रीय नागरिक अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं सुझाव सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रख सकेंगे। प्राप्त प्रकरणों का मौके पर निस्तारण करने तथा जटिल मामलों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक अभिलेखों एवं विभागीय जानकारी के साथ तहसील दिवस में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि आमजन की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

बालाजी मंदिर का 23वां वार्षिकोत्सव संपन्न, भजन संध्या में झूमे श्रद्धालु

बालाजी मंदिर में आयोजित भजन संध्या में भजनों की प्रस्तुति देते कलाकार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री बालाजी मंदिर का 23वां वार्षिकोत्सव गुरुवार को पूर्णाहुति के साथ संपन्न हो गया। समापन से एक दिन पूर्व बुधवार शाम मंदिर परिसर में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और देर रात तक भक्ति रस में सराबोर रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत बालाजी महाराज को 56 भोग अर्पित करने एवं विशेष आरती के साथ हुई। इसके बाद आयोजित भजन संध्या का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने किया। प्रसिद्ध भजन गायक संजू पागल ने 'मेरी नैया पार लगा दो बालाजी', 'बाबा तेरे दर पर आया हूं', 'बोलो बालाजी महाराज की' और 'चलो दर्शन को मेहंदीपुर चलिए' सहित कई लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों पर भक्त देर रात तक झूमते नजर आए। गुरुवार को वार्षिकोत्सव के अंतिम दिन विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजेंद्र अण्ड्याल, पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी, पूर्व महापौर हेमलता नेगी, पार्षद आरती खर्कवाल, वीरेंद्र सिंह रावत, मंदिर के संस्थापक दिनेश ऐलावादी, उद्यमी हरिकृष्ण कंसल, गोपाल कृष्ण अग्रवाल, कमल अग्रवाल, सुशील भाटिया, राकेश जागड़ा, जानकी प्रसाद द्विवेदी, रामनारायण गर्ग, शिव कुमार अग्रवाल और राकेश खुराना सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आज होगें श्रीनगर व्यापार सभा के चुनाव

श्रीनगर गढ़वाल : व्यापार सभा श्रीनगर के चुनाव के लिए आज होने वाले मतदान से पहले गुरूवार को कल्याणेश्वर महादेव मंदिर परिसर में चुनाव समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनाव अधिकारी दिनेश प्रसाद भट्ट सहित समिति के अन्य सदस्यों ने भाग लिया और मतदान की सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक के दौरान मतदान केंद्रों पर की गई तैयारियों का जायजा लिया गया। दोनों बूथों का निरीक्षण कर टेबल, कुर्सी, मतदाता व्यवस्था और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। चुनाव समिति ने स्पष्ट किया कि मतदान प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। चुनाव अधिकारी दिनेश प्रसाद भट्ट ने बताया कि मतदान शुक्रवार सुबह आठ बजे से शुरू होकर दोपहर दो बजे तक चलेगा। दो बजे के बाद किसी भी मतदाता को मतदान केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। व्यापारियों को मतदान की जानकारी देने के लिए शहर में वाहन के माध्यम से भी घोषणा कराई गई है। चुनाव को लेकर व्यापारियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। सोशल मीडिया और व्हाट्सएप समूहों में भी विभिन्न प्रत्याशी अपजा प्रचार कर रहे हैं। बैठक में समिति सदस्य वासुदेव कंडारी, देवेंद्रमणि मिश्रा, रामानंद भट्ट, खिलेंद्र चौधरी, बृजेश भट्ट, नरेंद्र रावत, दिनेश पंवार, सुरेंद्र बड़ोनी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। (एजेंसी)

मलेथा में गुलदार ने बछड़े को बनाया निवाला

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर ब्लॉक के ग्राम पंचायत मलेथा में बुधवार रात करीब 12 बजे गुलदार ने गाय के बछड़े को निवाला बना लिया। स्थानीय निवासी मोहन सिंह रावत के घर के आंगन में बंधे बछड़े को मारकर गुलदार करीब 15 फीट ऊंची छत पर ले गया। शोर मचाने पर गुलदार भाग गया लेकिन वह बार-बार घर के आस-पास आता रहा, तड़के करीब ढाई बजे गुलदार फिर आया और बछड़े को उठाकर ले गया। इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों में दहशत बनी हुई है। लोगों का कहना है कि मलेथा क्षेत्र में गुलदार बार-बार दिखाई दे रहा है। इससे बच्चों की सुरक्षा के संबंध में भी भय बना हुआ है। स्थानीय निवासी अनिल भट्ट ने बताया कि लोगों ने वन विभाग से गांव में पिंजरा लगाए जाने की मांग की है। उप वन क्षेत्राधिकारी एसपी बडोनी ने बताया कि बुधवार हुई को घटना के बाद क्षेत्र में पंचायत फॉक्स लाइट लगाई जा रही हैं साथ ही गश्त भी बढ़ाई गई है। (एजेंसी)

सूचना

यह कि मेरे पासपोर्ट नम्बर - 8443042 में मेरा नाम भूलवश संदीप (SANDEEP) अंकित हो रखा है जबकि मेरे अन्य दस्तावेजों में मेरा सही नाम संदीप पंत (SANDEEP PANT) है। संदीप व संदीप पंत एक ही व्यक्ति हैं।

संदीप पंत पुत्र कैलाश चंद्र, निवासी- निकट गैस गोदाम, सिमलचौड, पोस्ट आफिस, पदमपुर, कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल।

संपादकीय

भाखड़ा का जल स्तर

हमारे नीति-नियंता आमतौर पर तब जागते हैं जब समस्या सिर पर आ जाती है। यदि समय रहते तंत्र, सजगता और सतर्कता से आसन्न संकट को महसूस करते हुए तत्काल रणनीति बनाकर कार्रवाई करता है, तो जन-धन की हानि को टाला जा सकता है। निस्संदेह, भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड यानी बीबीएमबी ने पंजाब और हरियाणा को भाखड़ा जलाशय से ज्यादा पानी निकालने की सलाह दी है। निश्चित रूप से इस सलाह को उत्तर भारत क्षेत्र में पानी के प्रबंधन से जुड़ी बढ़ती मुश्किलों के प्रति एक चेतावनी के रूप में देखी जानी चाहिए। निस्संदेह, यह सलाह रोजमर्रा के परिचालन से जुड़ा मामला भी नहीं है। इसे व्यापक संदर्भों में देखें तो लगातार बढ़ती जलवायु की अनिश्चितता, खेती से जुड़े ऐसे तौर-तरीकों, जिनका दीर्घकालीन उपयोग नहीं किया जा सकता है, के बाबत यह सलाह चेताती है। निश्चित रूप से यह सलाह यह भी बताती है कि पंजाब व हरियाणा में पानी के बेहतर उपयोग को लेकर सहमति न बनने से भी इस तरह की स्थितियां पैदा होती हैं। बांध प्रबंधन से जुड़े सूत्र बताते हैं कि भाखड़ा जलाशय का जलस्तर फिलहाल पिछले साल में इसी अवधि के दौरान के जलस्तर के मुकाबले 21 फीट अधिक है। वहीं दूसरी ओर जलाशय के अधिकतम जलस्तर तक पहुंचने में अब सिर्फ 102 फीट की जगह ही बची है। निश्चित रूप से इस दिशा में समय रहते ही अविलंब कार्रवाई करनी होगी। अन्यथा मानसून के आने के साथ वैकल्पिक उपायों की गुंजाइश भी लगातार कम होती जाती है। जलवायु परिवर्तन के गहरे होते प्रभावों के चलते हिमालयी पर्वत शृंखला में अधिक बर्फ के पिघलने की बढ़ती गति और बारिश के पैटर्न में लगातार आ रहे बदलाव के कारण ही जलाशय के जलस्तर में तेजी से बदलाव आने की आशंका भी बनी रहती है। यही वजह है कि इन तमाम आशंकाओं के मद्देनजर ही अविलंब नीतिगत फैसले लेने की सख्त जरूरत है। यह विडंबना ही है कि यह चुनौती पंजाब में ऐसे समय में आ रही है, जब धान की रोपाई का मौसम चल रहा है। हालांकि, राज्य में सरकार ने पानी के बेहतर इस्तेमाल के मद्देनजर धान की खेती का कैलेंडर एक जून तक के लिये आगे बढ़ा दिया था। यह भी गौरतलब है कि आज भी पंजाब के बड़े इलाकों में खेती काफी हद तक भूजल पर ही निर्भर है। जिस सीमा तक नहरों के नेटवर्क का अधिकतम उपयोग होना चाहिए था, वह अभी भी नहीं हो पा रहा है। निस्संदेह, जब तक सतही पानी का सही तरीके से बंटवारा नहीं होता है तब तक जलाशयों में ज्यादा पानी जमा करके रखना पड़ेगा। जिसके चलते अचानक आने वाले पानी को संभालने के लिये जरूरी बाढ़ बचाव क्षमता कम हो जाती है। हमें वर्ष 2023 में पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से मिले सबक को नहीं भूलना चाहिए। तब पानी छोड़ने में कथित देरी और जलाशयों के संचालन को लेकर हुए तमाम विवादों ने राजनीतिक कड़वाहट को बढ़ाया ही था। साथ ही सरकार की बाढ़ से निबटने की तैयारियों को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े हुए थे। जब बांध प्रबंधन की बात करते हैं तो इसका मकसद सिर्फ बिजली उत्पादन ही नहीं हो सकता। तब बाढ़ को नियंत्रित करना भी उतना ही जरूरी मकसद होना चाहिए। ऐसे वक्त में हमें जरूरी कामों की प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। सिंचाई विभाग को सुनिश्चित करना ही होगा कि नहर का पानी किसानों को समय पर मिले।

चिंतन-मनन

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

मानसून सत्र और भारतीय राजनीति का समुद्र मंथन

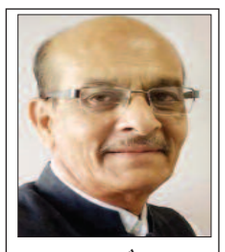

सनत जैन

जुलाई माह में संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि इस बार सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक टकराहट देखने को मिल सकती है। महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट, शिक्षा व्यवस्था, अर्थव्यवस्था तथा विभिन्न राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। पिछले सत्र में परिसीमन बिल सरकार संसद में पास नहीं करा पाई थी। बीते महीनों में जिस तरह से सरकार को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ रहा है, विदेशी निवेशक शेयर बाजार से निवेश किया धन वापस निकाल रहे हैं। कच्चे तेल के आयात से सरकार की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। ऐसी स्थिति में सरकार मानसून सत्र में कोई जोखिम उठाना नहीं चाहती है। देश में खाद्य पदार्थों, ईंधन और घरेलू जरूरतों की वस्तुओं की कीमतों को लेकर जनता के बड़े वर्ग में नाराजगी दिखाई दे रही है। किसान संगठन, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), फसल खरीद और कृषि लागत जैसे मुद्दों पर आंदोलित हैं। वहीं नीट पेपर लीक से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और शिक्षा व्यवस्था को लेकर छात्र संगठनों की ओर से सड़क पर असंतोष व्यक्त किया जा रहा है। काकरोच के नाम पर युवा जेन-जी सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है।

विपक्षी दलों द्वारा लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सरकार के दबाब में काम करने के आरोप हैं। जबकि सरकार इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करती है। सरकार अपने कार्यकाल में हुए विकासकार्यों, कल्याणकारी योजनाओं तथा आर्थिक उपलब्धियों को सामने रखती है। राजनीतिक दलों के बीच बढ़ती बयानबाजी ने संसद के आगामी सत्र को और महत्वपूर्ण बना दिया है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही संसद सत्र के पहले अपने-अपने राजनीतिक समीकरण मजबूत करने में जुटे हुए हैं। क्षेत्रीय दलों की भूमिका इस बार विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संसद का मानसून सत्र आने वाले विधानसभा चुनावों और भविष्य की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में यह मानसून सत्र सरकार के लिए संकटभरा हो सकता है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति को यदि समुद्र मंथन की उपमा दी जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। समुद्र मंथन में जिस प्रकार देवताओं और असुरों के बीच संघर्ष के साथ-साथ सहयोग भी था, उसी प्रकार भारतीय लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उस पौराणिक कथा में पहले विष निकला और अंत में अमृत प्राप्त हुआ था। लोकतंत्र के इस राजनीतिक मंथन से मानसून सत्र में कौन लाभान्वित होगा और किसे राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ेगा, इसका उत्तर भविष्य के गर्भ में छिपा है।

फिलहाल इतना स्पष्ट है कि मानसून सत्र केवल विधायी कार्यवाही का मंच नहीं रहेगा, बल्कि यह सरकार की नीतियों, विपक्ष की रणनीति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका पर व्यापक राजनीतिक बहस का केंद्र बनने जा रहा है। इस राजनीतिक समुद्र मंथन का परिणाम क्या होगा, इसका निर्णय अंततः जनता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं ही तय करेंगी। जिस तरह से सत्ता पक्ष ने लोकसभा एवं राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 6 सांसदों इसके बाद टीएमसी के सांसदों को पार्टी से अलग होकर अलग गुट बनाने या सांसदों से इस्तीफा दिलवाकर विपक्ष को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उसका स्पष्ट संकेत है, मानसून सत्र में सरकार कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। इसके लिए सरकार किसी भी स्तर पर अपने आपको सुरक्षित करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। इसका एक संदेश यह भी है, सरकार अंदर से कमजोर है। भाजपा के अंदर से भी असंतोष के स्वर उठने लगे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार ने चारों ओर से सुरक्षित रहने के लिए घेराबंदी शुरू कर दी है।

बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवसः बचपन को श्रम नहीं, शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार मिलें

ललित गर्ग

हर वर्ष 12 जून को मनाया जाने वाला बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि मानवता के अंतःकरण को झकझोरने वाला अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि दुनिया का कोई भी बच्चा मजदूर बनने के लिए पैदा नहीं होता। उसके हाथों में औजार, ईंट, बर्तन, हथौड़े, कूड़े की बोरी या कारखानों की मशीनें नहीं, बल्कि किताबें, खिलौने, रंग, सुनहले सपने और संभावनाएं होनी चाहिए। बचपन जीवन का वह स्वर्णिम काल है जिसमें व्यक्ति के व्यक्तित्व, संस्कार, शिक्षा और भविष्य की नींव रखी जाती है। यदि यही काल श्रम, शोषण और अभाव की भट्टी में झोंक दिया जाए तो केवल एक बच्चे का नहीं, पूरे समाज और राष्ट्र का भविष्य अंधकारमय हो जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन- आईअलओ द्वारा 2002 में शुरू किए गए इस दिवस का उद्देश्य बाल श्रम की भयावहता के प्रति वैश्विक चेतना जगाना और इसके उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों को गति देना है। वर्ष 2026 में भी यह दिवस ऐसे समय पर आ रहा है जब दुनिया तकनीकी विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आर्थिक प्रगति के नए आयाम छू रही है, लेकिन दूसरी ओर करोड़ों बच्चे आज भी शिक्षा और बचपन के अधिकार से वंचित हैं। यह विडम्बना मानव सभ्यता के सामने एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जब हम किसी ढाबे, होटल, चाय की दुकान, कारखाने, गैरेज, ईंट-भट्टे, खेत या ट्रैफिक सिग्नल पर किसी मासूम बच्चे को कठिन श्रम करते देखते हैं, तब अक्सर हमारी संवेदना कुछ क्षणों के लिए जागती है और फिर हम अपने काम में व्यस्त हो जाते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि कब तक हम इस पीड़ा को सामान्य मानते रहेंगे? क्या हम उस बचपन की चीख नहीं सुन पा रहे जो अपने अधिकारों से वंचित होकर मजदूरी के अंधेरे में खो रहा है?

आज भी विश्व में करोड़ों बच्चे किसी न किसी रूप में बाल श्रम में संलग्न हैं। इनमें से बड़ी संख्या खतरनाक परिस्थितियों में काम करती है, जहां उनका शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास बाधित होता है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता, विस्थापन, तस्करी, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएं और कमजोर सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाएं बाल श्रम की प्रमुख वजहें हैं। परिवार की आर्थिक विवशताएं बच्चों को स्कूल की बजाय काम की दुनिया में धकेल देती हैं। लेकिन गरीबी का समाधान बच्चों से काम कराना नहीं, बल्कि परिवारों को सम्मानजनक रोजगार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। बाल श्रम केवल आर्थिक समस्या नहीं है; यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। यह बच्चों से उनका बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, आत्मविश्वास और भविष्य छीन लेता है। जो बच्चा विद्यालय में होना चाहिए, वह यदि कारखाने में है, तो यह केवल उस बच्चे की नहीं, पूरे समाज की विफलता है। बाल श्रम गरीबी का चक्र भी बनाए रखता है, क्योंकि अशिक्षित बच्चा बड़ा होकर कम आय वाले कार्यों तक सीमित रह जाता है और अगली पीढ़ी भी उसी अभाव में जीने को मजबूर होती है।

भारत सहित अनेक देशों में बाल श्रम रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आईअलओ के कन्वेंशन 138 और कन्वेंशन 182 न्यूनतम कार्य आयु और बाल श्रम के सबसे खतरनाक रूपों पर रोक लगाने के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। भारत में भी बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम तथा शिक्षा का अधिकार कानून मौजूद हैं। लेकिन कानूनों की प्रभावशीलता उनके कठोर और ईमानदार क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। कई बार कानूनी प्रावधान होने के बावजूद बाल श्रम छिपे हुए रूपों में जारी रहता है। आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देने की है। बाल श्रम को समाप्त करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जन-जागरण अभियान चलाए जाने चाहिए। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, मीडिया, उद्योग जगत और नागरिक समाज को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जिस प्रकार पर्यावरण संरक्षण और महिला अधिकारों को लेकर वैश्विक चेतना विकसित हुई है, उसी प्रकार बाल अधिकारों के लिए भी विश्वव्यापी जनमत तैयार करना होगा। कैसा विरोधाभास है कि हमारा समाज, सरकार और राजनीतिज्ञ बच्चों को देश का भविष्य मानते नहीं थकते लेकिन क्या इस उम्र के लगभग 25 से 30 करोड़ बच्चों से बाल मजदूरी के जरिए उनका बचपन और उनसे पढने का अधिकार छीनने का यह सुनियोजित षड्यंत्र नहीं लगता? मिसाल के तौर पर एक कानून बनाकर हमने बच्चों से उनका बचपन छिनने की कुचेष्टा की है। इस कानून में हमने यदि पारिवारिक कामधंधा या रोजगार है तो 4 से 14 की उम्र के बच्चों से कानूनन काम कराया जा सकता है और कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यह कैसी विडम्बना है कि जब इस उम्र के बच्चों को स्कूल में होना चाहिए, खानदानी व्यवसाय के नाम पर एक पूरी पीढ़ी को शिक्षा, खेलकूद और सामान्य बाल्य सुलभ व्यवहार से वंचित किया जा रहा है और हम अपनी पीठ थपथपाए जा रहे हैं। बच्चों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाने के नाम पर हकीकत में हम उन्हें पैसा कमाकर लाने की मशीन बनाकर अंधकार में धकेल रहे हैं।

विशेष रूप से डिजिटल युग में तकनीक का उपयोग बाल श्रम उन्मूलन के लिए किया जा सकता है। प्रत्येक उद्योग और आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शी निगरानी, बाल श्रम शिकायतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल, त्वरित कार्रवाई तंत्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणालियां विकसित की जा सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी आपूर्ति श्रृंखला में कहीं भी बाल श्रम का उपयोग न हो। जो कंपनियां ऐसा करती पाई जाएं, उनके विरुद्ध कठोर आर्थिक और कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। बाल श्रम समाप्त करने का सबसे प्रभावी उपाय गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा है। केवल विद्यालय खोल देना पर्याप्त नहीं है; शिक्षा ऐसी हो जो बच्चों को आकर्षित करे, जीवनोपयोगी कौशल दे और उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास करे। गरीब परिवारों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति, पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों का विस्तार आवश्यक है। यदि परिवार की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित होगी तो बच्चों को मजदूरी के लिए भेजने की मजबूरी भी कम होगी।

हमें यह भी समझना होगा कि बचपन केवल जीवित रहने का नाम नहीं है; बचपन का अर्थ है सपने देखने की स्वतंत्रता, खेलने का अधिकार, सीखने का अवसर, स्नेहपूर्ण वातावरण और सुरक्षित भविष्य। जिस समाज में बच्चे मुस्कुरा नहीं सकते, वह समाज कभी वास्तविक विकास नहीं कर सकता। आर्थिक विकास की ऊंची इमारतें तब तक अधूरी हैं जब तक उनके नीचे किसी बच्चे का कुचला हुआ बचपन पड़ा हो। महान शिक्षाविद् नेल्सन मंडेला ने कहा था, 'किसी समाज की आत्मा को जानने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि वह अपने बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करता है।' यदि हम सचमुच विकसित और संवेदनशील समाज बनना चाहते हैं तो हमें अपने बच्चों के प्रति दृष्टिकोण बदलना होगा। उन्हें दया का नहीं, अधिकार का विषय मानना होगा।

आज आवश्यकता है कि सरकारें बाल श्रम के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएं, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करें, तस्करी और बंधुआ श्रम के नेटवर्क को ध्वस्त करें, और हर बच्चे तक शिक्षा एवं सुरक्षा की पहुंच सुनिश्चित करें। साथ ही प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि वह किसी भी रूप में बाल श्रम को बढ़ावा नहीं देगा और जहां भी ऐसी घटना देखेगा, उसके विरुद्ध आवाज उठाएगा। बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस हमें यह संदेश देता है कि बचपन को बचाना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य की रक्षा का संकल्प है। यदि हम प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और अवसर प्रदान कर सकें, तो वही बच्चा कल एक सशक्त नागरिक, संवेदनशील मानव और राष्ट्रनिमार्ता बनेगा। सच तो यह है कि बचपन को बचाना ही भविष्य को बचाना है। जब दुनिया का हर बच्चा भय और श्रम से मुक्त होकर मुस्कुराएगा, तभी मानव विकास की यात्रा वास्तव में सार्थक कहलाएगी।

सांसद और विधायक भाग रहे, क्या ममता बनर्जी भी टीएमसी छोड़ कर कांग्रेस में जा रही हैं?

नीरज कुमार दुबे

स्थिति यह है कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर विद्रोह अब खुली चुनौती का रूप ले चुका है। पार्टी के 80 में से 58 विधायक अलग होकर निष्कासित विधायक रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के साथ चले गए हैं। इस गुट को विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिल चुकी है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय अपने सबसे उथल पुथल भरे दौर से गुजर रही है। कभी बंगाल की निर्विवाद ताकत मानी जाने वाली ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस अब अंदरूनी बगावत, सांसदों और विधायकों के पलायन तथा राजनीतिक अस्तित्व के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। दिल्ली में सोनिया गांधी के साथ ममता बनर्जी और राहुल गांधी के साथ अभिषेक बनर्जी की बैठकों ने इस संकट को और अधिक राजनीतिक रंग दे दिया है। भले ही कांग्रेस और तृणमूल दोनों सार्वजनिक रूप से किसी विलय की संभावना से इंकार कर रहे हों, लेकिन घटनाक्रम यह संकेत दे रहा है कि बंगाल की राजनीति में एक बड़ा पुनसंयोजन शुरू हो चुका है। एक तरह से यह साफ नजर आ रहा है कि सिर्फ टीएमसी के सांसद, विधायक और पार्षद ही पाला नहीं बदल रहे हैं खुद टीएमसी प्रमुख अपनी पार्टी को खत्म कर कांग्रेस में वापस लौटना चाह रही हैं।

हम आपको बता दें कि दिल्ली में राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की डेढ़ घंटे लंबी मुलाकात तथा उससे पहले सोनिया गांधी और ममता बनर्जी की बैठक ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। तृणमूल कांग्रेस ने इन बैठकों को लोकतंत्र और संविधान बचाने की साझा प्रतिबद्धता बताया, लेकिन राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह महज औपचारिक बातचीत नहीं थी। बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद जिस तरह तृणमूल कांग्रेस कमजोर हुई है और पार्टी के भीतर टूट की स्थिति बनी है, उसके बाद कांग्रेस से नजदीकी बनाना ममता बनर्जी की राजनीतिक मजबूरी बन गई है।

स्थिति यह है कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर विद्रोह अब खुली चुनौती का रूप ले चुका है। पार्टी के 80 में से 58 विधायक अलग होकर निष्कासित विधायक रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के साथ चले गए हैं। इस गुट को विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिल चुकी है। रितब्रत बनर्जी लगातार दावा कर रहे हैं कि वही ह्यअसली तृणमूल कांग्रेसह्न हैं और कांग्रेस के साथ किसी भी प्रकार के विलय या समझौते के खिलाफ हैं। उनका दावा है कि उनके साथ विधायकों की संख्या लगातार बढ़ रही है और कई सांसद भी उनके संपर्क में हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस के साथ संभावित विलय या अत्यधिक नजदीकी की अटकलों ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर असुरक्षा और बेचैनी को और बढ़ा दिया है। पार्टी के कई विधायक, सांसद और क्षेत्रीय नेता अपनी पूरी राजनीतिक पहचान कांग्रेस विरोध की जमीन पर बनाकर आगे बढ़े थे। ऐसे में उन्हें यह डर सता रहा है कि यदि ममता बनर्जी अंततः कांग्रेस के साथ विलय या व्यापक राजनीतिक समझौते की राह पर चलती हैं, तो उनकी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान समाप्त हो जाएगी। यही कारण है कि तृणमूल में भगदड़ और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। पार्टी के भीतर एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो कांग्रेस में लौटने के पक्ष में नहीं है और वह या तो अलग गुट के साथ रहना चाहता है या फिर नए राजनीतिक विकल्प तलाश रहा है। यही बेचैनी अब खुले विद्रोह और लगातार इस्तीफों के रूप में सामने आती दिखाई दे रही है।

संकट केवल विधानसभा तक सीमित नहीं है। संसद में भी तृणमूल कांग्रेस की नींव हिलती दिख रही है। राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक के इस्तीफे ने पार्टी की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उनसे पहले सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय भी पार्टी और राज्यसभा से इस्तीफा दे चुके हैं। सुष्मिता देव की असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा से मुलाकात ने यह अटकलें और तेज कर दी हैं कि तृणमूल कांग्रेस के कई नेता अब भारतीय जनता पार्टी की ओर रुख कर सकते हैं।

लोकसभा में भी तृणमूल के भीतर विद्रोही खेमे की ताकत बढ़ती दिखाई दे रही है। काकोली घोष दस्तिदार के नेतृत्व वाला गुट दावा कर रहा है कि उसे बीस से अधिक सांसदों का समर्थन हासिल है। सयोनी घोष, माला राय, युसुफ पठान, शताब्दी राय, शत्रुघ्न सिन्हा और रचना बनर्जी जैसे कई चर्चित नाम विद्रोही खेमे के साथ बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार को समर्थन देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिख चुका है।

इन घटनाओं के बीच कांग्रेस की भूमिका बेहद दिलचस्प हो गई है। बंगाल कांग्रेस के भीतर भी मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। अधीर रंजन चौधरी और अब्दुल मन्नान जैसे वरिष्ठ नेता ममता बनर्जी के साथ किसी भी तरह की नजदीकी के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं। मन्नान ने तो यहां तक कह दिया कि ह्यगंदे पानी को साफ पानी में मिलाने से साफ पानी भी गंदा हो जाता है ह्न अधीर रंजन चौधरी ने ममता पर कांग्रेस को बंगाल से खत्म करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब वही ममता गांधी परिवार के सहारे की तलाश में हैं।

दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि जो राहुल गांधी को भविष्य का प्रधानमंत्री और विपक्ष का नेता मानता है, उसका स्वागत है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के आरोपों से बचने के लिए कांग्रेस की छतरी का इस्तेमाल करने वालों के लिए दरवाजे खुले नहीं हैं। यह बयान सीधे तौर पर तृणमूल के उन नेताओं की ओर इशारा माना जा रहा है जिन पर विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि ममता बनर्जी का पूरा राजनीतिक उदय ही कांग्रेस के खिलाफ विद्रोह की जमीन पर खड़ा हुआ था। वर्ष 1998 में उन्होंने जोरशोर से कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस का गठन किया था। उस समय ममता ने कांग्रेस नेतृत्व पर बंगाल की राजनीति की अनदेखी करने और वामपंथ के सामने आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्होंने खुद को कांग्रेस के विकल्प के रूप में स्थापित किया और धीरे धीरे बंगाल में कांग्रेस की जड़ें कमजोर कर दीं। वर्ष 2011 में वाम मोर्चे को सत्ता से हटाने के बाद ममता बनर्जी ने अपने राजनीतिक विस्तार के लिए कांग्रेस से पूरी दूरी बना ली थी और लगातार गांधी परिवार तथा कांग्रेस नेतृत्व पर तीखे हमले करती रहीं। लेकिन अब जब तृणमूल कांग्रेस भीतर से टूट रही है, सांसद और विधायक पार्टी छोड़ रहे हैं और राजनीतिक जमीन खिसकती दिखाई दे रही है, तब वही ममता बनर्जी एक बार फिर कांग्रेस की जड़ों की ओर लौटती नजर आ रही हैं। यही वजह है कि दिल्ली में गांधी परिवार के साथ उनकी बैठकों को केवल शिष्टाचार मुलाकात मानने को राजनीतिक विश्लेषक तैयार नहीं हैं।

दरअसल, बंगाल की राजनीति अब केवल सत्ता की लड़ाई नहीं रह गई है, बल्कि यह अस्तित्व की जंग बन चुकी है। तृणमूल कांग्रेस संगठनात्मक बिखराव से जूझ रही है और बात सिर्फ संसद या विधानसभा में उसके सदस्यों तक सीमित नहीं रह गयी है। बंगाल में कई निगमों से उसके महापौर या पार्षद इस्तीफा दे चुके हैं और पंचायतों में भी इसी तरह के इस्तीफों का दौर जारी है। इस सबके बीच भाजपा यह स्पष्ट कर चुकी है कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के लिए उसके दरवाजे बंद हैं वहीं कांग्रेस इस संकट को अपने पुनर्जीवन के अवसर के रूप में देख रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी एकता की राजनीति को मजबूती देने के लिए कांग्रेस बंगाल में नई संभावनाएं तलाश रही है।

बहरहाल, सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ राजनीतिक समझौते की राह पर चलेंगी, या फिर पार्टी के भीतर का विद्रोह उन्हें और कमजोर कर देगा। यदि तृणमूल कांग्रेस का टूटना जारी रहा तो बंगाल की राजनीति में शक्ति संतुलन पूरी तरह बदल सकता है। आने वाले नगर निकाय चुनाव और उपचुनाव इस बदलाव की पहली बड़ी परीक्षा साबित होंगे। फिलहाल इतना तय है कि बंगाल की राजनीति में शुरू हुई यह हलचल केवल राज्य तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि राष्ट्रीय विपक्ष की राजनीति पर भी इसका गहरा असर पड़ने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल : 'फिर खुलेगी 2001 के शाही हत्याकांड की फाइल', दोबारा गृह मंत्री पदभार संभालते ही गुरुंग ने किया एलान

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के नए गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने मंगलवार को घोषणा की कि वह 2001 के शाही हत्याकांड से जुड़ी फाइल को फिर से खोलेंगे, जिसमें तत्कालीन राजा वीरेंद्र शाह के पूरे परिवार की हत्या कर दी गई थी। पदभार संभालने के बाद गुरुंग ने यह घोषणा की। एक जून 2001 को नेपाल के नारायणहिटी शाही महल में शुक्रवार के रात्रिभोज के दौरान राजा शाह के परिवार के सभी सदस्य मारे गए थे, जिनमें रानी ऐश्वर्या और युवराज दीपेन्द्र शामिल थे। एक आधिकारिक जांच आयोग की रिपोर्ट में कहा गया था कि उस समय के युवराज ही इस हत्याकांड के जिम्मेदार थे। रिपोर्ट के अनुसार, शराब के प्रभाव में दीपेन्द्र ने कथित रूप से अपने पिता, माता, भाई, बहन और अन्य परिवार के सदस्यों को गोली मार दी। बाद में खुद को भी मार लिया। कई लोगों ने उस समय इस रिपोर्ट को खारिज किया था। गुरुंग ने शपथ ग्रहण के तुरंत बाद जांच फिर से शुरू करने की घोषणा की। वह पहले कैबिनेट से वित्तीय अनियमितताओं और अवैध संपत्ति के आरोपों के कारण इस्तीफा दे चुके थे। लेकिन सरकार की ओर से गठित जांच समिति ने उन्हें क्लीन चिट दे दी, जिससे उनकी फिर से नियुक्ति संभव हुई।

पाकिस्तान के हवाई हमलों से अफगानिस्तान में 13 लोगों की मौत, 11 बच्चे भी शामिल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर उसके क्षेत्र में हवाई हमले किए हैं, जिनमें कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। इन हमलों के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच पहले से चल रहा तनाव और बढ़ गया है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को बताया कि पाकिस्तानी हवाई हमले अफगानिस्तान के खोस्त, कुनार और पक्तिका प्रांतों में किए गए। उनके अनुसार हमलों में 11 बच्चों, एक महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हुई है। तालिबान सरकार ने इन हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इसे नागरिकों को निशाना बनाने वाली कार्रवाई बताया है। हालांकि पाकिस्तान की ओर से इन हमलों को लेकर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या पुष्टि नहीं की गई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले कई महीनों से सीमा पर तनाव बना हुआ है। फरवरी के अंत से दोनों देशों के बीच लगातार संघर्ष और जवाबी कार्रवाइयां हो रही हैं, जिनमें सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। दरअसल, पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल ऐसे आतंकवादी संगठन कर रहे हैं, जो पाकिस्तान के भीतर हमले करते हैं। विशेष रूप से पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर चिंता जताता है। पाकिस्तान का कहना है कि टीटीपी के लड़ाके अफगानिस्तान में शरण लेकर पाकिस्तान में आतंकी हमले करते हैं।

भारतीय मूल के छात्रों का एआई में जलवा, व्हाइट हाउस में कई ने जीता राष्ट्रीय सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में आयोजित समारोह में पहले प्रेसिडेंशियल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैलेंज नेशनल चैंपियन अवॉर्ड्स प्रदान किए। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारतीय मूल के कई छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान हासिल किया। वर्जीनिया के एल्डी शहर की पांच सदस्यीय टीम, जिसमें आरना जायसवाल, ईशानी खत्री, रीवा मड्डा, साम्हिता पिन्नामारेड्डी और सनुली रत्नायके शामिल थीं, ने एलिमेंट्री स्कूल ट्रैक-2 श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। टीम ने स्कूलों में बदमाशी (बुलिंग) की घटनाओं को रोकने के लिए 'फ्रेंडजोन चैटबॉट बुलिंग प्रिवेंशन ऐप' विकसित किया। वहीं, वॉशिंगटन राज्य के सम्मामिश स्थित नॉर्थस्टार मिडिल स्कूल के छात्रों विहा अय्यर, आर्य प्रताप और श्रीमयी शेट्टी ने अपने प्रोजेक्ट 'स्किलअप' के लिए मिडिल स्कूल ट्रैक-1 श्रेणी में राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। हाई स्कूल वर्ग में पेनसिल्वेनिया के अपर डार्बी सीनियर हाई स्कूल के छात्र खंडाकर माहिन ने ट्रैक-1 श्रेणी में राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब जीता। उनका प्रोजेक्ट 'आपराधिक जांच में होटल के कमरों की पहचान के लिए कंप्यूटर विजन का उपयोग' विषय पर आधारित था। पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने छात्रों की सराहना की और उन्हें अमेरिका का भविष्य बताया। उन्होंने कहा, 'व्हाइट हाउस में नवाचार से भरपूर इस प्रतिभाशाली समूह का स्वागत करना बेहद सुखद है। मुझे गर्व है कि आप अमेरिका की श्रेष्ठ प्रतिभाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। आप ही हमारा भविष्य हैं।' प्रेसिडेंशियल एआई चैलेंज में अमेरिका के सभी 50 राज्यों, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, प्यूर्टो रिको और विदेशों में स्थित रक्षा विभाग के स्कूलों से प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं।

अमेरिका-ईरान के बीच टूटा युद्धविराम, यूएस ने तेहरान पर दागीं मिसाइलें; आईआरजीसी ने दी धमकी

तेहरान , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्धविराम टूट गया है। सैन्य हेलिकॉप्टर को निशाना बनाए जाने के बाद अमेरिका बुरी तरह से ईरान पर भड़क गया है और अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ सैन्य हमले शुरू कर दिए हैं। वहीं आईआरजीसी ने भी एक बयान जारी कर रहा है कि वे भी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे।

रडार और एयर डिफेंस पर हमला : अमेरिकी हमलों में मुख्य रूप से होर्मुज के आसपास मौजूद कई ईरानी एयर डिफेंस और रडार सिस्टम को निशाना बनाया गया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया है कि केशम द्वीप पर छह बड़े धमाकों की भयंकर आवाजें सुनाई दी हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यह भीषण अटैक ड्रोन से नहीं बल्कि लड़ाकू विमानों से किया गया है। बंदर अब्बास और सिरिक में भी भारी प्रोजेक्टाइल के टकराने की आधिकारिक पुष्टि की गई है। अमेरिकी हमलों के जवाब में अब ईरान ने भी अमेरिकी बेसों पर अपना सीधा हमला शुरू करने का बड़ा दावा किया है। ईरान की टॉप जॉइंट मिलिट्री कमांड खतम अल-अंबिया ने कहा कि दक्षिणी ईरान में अमेरिकी आक्रामकता का जवाब दिया गया है। उन्होंने इलाके में मौजूद कुछ अहम अमेरिकी ठिकानों को अपना निशाना बनाया है। मेहर न्यूज़ एजेंसी के अनुसार जास्क इलाके में भी लगातार बड़े धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं।

पायलटों का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन : राहत की बात यह है कि

दुर्घटनाग्रस्त अपाचे हेलिकॉप्टर के दोनों पायलटों को अमेरिकी सेना ने सुरक्षित बचा लिया है। इन दोनों पायलटों का रेस्क्यू ड्रोन की मदद से बहुत ही सफलतापूर्वक किया गया था। लेकिन ट्रंप के अनुसार यह हमला जानबूझकर किया गया था और इसका बदला जरूर लिया जाएगा। अमेरिका ने कहा है कि उनका यह वर्तमान सैन्य मिशन अब पूरी तरह से सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने अमेरिका को बहुत ही सख्त और सीधी चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि हमारी ताकतवर सेना किसी भी बाहरी हमले या खतरे का जवाब दिए बिना बिलकुल नहीं छोड़ेगी। अराघची ने कहा कि अगर आप सुरक्षित रहना चाहते हैं तो हमारे इलाके से तुरंत चले जाएं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का कहना है कि ये हमले ईरान को सिर्फ एक बड़ी चेतावनी देने के लिए हैं। जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरान का हमला ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी सेना वाले सैन्य अड्डे पर हमला किया; हालांकि, अभी तक जॉर्डन और अमेरिका की ओर से इस बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है।

ईरान हमलों के खिलाफ कुवैत की जवाबी कार्रवाई : ईरान के इस एलान के बाद कि उसने अमेरिकी हवाई हमलों का बदला लेने के लिए पश्चिम एशिया के इस देश को निशाना बनाया है, कुवैत का कहना है कि उसकी एयर डिफेंस सिस्टम जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं। अमेरिका ने ईरान पर दागीं मिसाइलें, आईआरजीसी ने जवाबी हमले की धमकी दी ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि अमेरिका के हमलों के जवाब में अमेरिकी सेना की बहरीन में मौजूद पांचवीं फ्लीट पर ड्रोन हमला किया गया है। आईआरजीसी ने ये भी कहा कि अगर अमेरिका के हमले जारी रहे तो वे भी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे। वहीं अमेरिका ने हमले रोकने के संकेत दिए हैं और कहा है कि ईरान पर हमले आत्मरक्षा में किए गए और अब हमले पूरे हो गए हैं।

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक स्तर पर बढ़ी महंगाई : 28 फरवरी से अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमलों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। इसके चलते ऊर्जा कीमतों में तेजी आई है और खाद्य पदार्थों समेत कई आवश्यक वस्तुएं महंगी हुई हैं। हालांकि अप्रैल में युद्धविराम की घोषणा की गई थी, लेकिन अब तक स्थायी शांति समझौता नहीं हो सका है। इस बीच, इस्राइल ने लेबनान में ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्ला के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को और तेज कर दिया है, जिससे क्षेत्रीय तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

टूटने के कगार पर पहुंचा ईरान-अमेरिका युद्धविराम : यह घटना ऐसे समय हुई है जब दो महीने पुराने संघर्षविराम पर पहले से ही संकट के बादल मंडरा रहे हैं। एक दिन पहले ही ईरान और इस्राइल के बीच संघर्षविराम लागू होने के बाद पहली बार दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए थे। ईरानी सरकारी टेलीविजन के अनुसार, इस्राइली हमलों में ईरान की वायु रक्षा इकाइयों के कम से कम दो सदस्य मारे गए हैं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, उनका अपाचे हेलिकॉप्टर ओमान के तट के निकट उस समय गिर गया, जब वह एक ईरानी ड्रोन से टकरा गया। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह टक्कर जानबूझकर कराई गई थी।

नॉर्डिक-बाल्टिक सम्मेलन: एस्टोनिया पहुंचे वोलोदिमिर जेलेंस्की, रूस पर दबाव बढ़ाने समेत कई मुद्दों पर होगी चर्चा

ताल्लिन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की मंगलवार को एस्टोनिया पहुंचे। वह यहां नॉर्डिक और बाल्टिक देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और एस्टोनियाई समकक्ष अलार कारिस से मुलाकात करेंगे। एस्टोनिया के सरकारी प्रसारक ईआरआर ने यह जानकारी दी।

एस्टोनिया की राजधानी ताल्लिन में इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस समय एस्टोनिया एनबी8 समूह की अध्यक्षता कर रहा है। एनबी8 में पांच नॉर्डिक और तीन बाल्टिक देश शामिल हैं। सम्मेलन में इन देशों के प्रधानमंत्रियों के साथ जेलेंस्की भी शामिल हुए हैं।

जेलेंस्की के साथ उनकी पत्नी ओलेना जेलेंस्का भी एस्टोनिया पहुंची हैं। एस्टोनिया के विदेश मंत्रालय ने स्वागत करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट की। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब यूक्रेनी ड्रोन हमलों को लेकर इलाके में तनाव बढ़ा हुआ है। पिछले कुछ महीनों में कई यूक्रेनी ड्रोन गलती से इस क्षेत्र में पहुंचे हैं। वहीं, यूक्रेन ने बाल्टिक सागर के उन बंदरगाहों पर हमले तेज कर दिए हैं, जहां से रूस तेल का निर्यात करता है। यूक्रेन चाहता है कि इन हमलों से रूस को आर्थिक नुकसान हो और उस पर युद्ध खत्म करने का दबाव बढ़े। रूसी हमलों में तीन लोगों की मौत दूसरी ओर, रूस ने भी यूक्रेन पर हमले जारी रखे हैं। पूर्वोत्तरी खारकीव क्षेत्र में पिछले 24 घंटों के दौरान हुए हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई और तीन बच्चों समेत 25 लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय प्रशासन प्रमुख ओलेह सिनीहुबोव ने यह जानकारी दी। निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में भी रात के समय कई जिलों पर हमले हुए, जिनमें तीन लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय प्रशासन प्रमुख ओलेक्सांद्र हांझा ने इसकी पुष्टि की। रातभर मार गिराए 146 रूसी ड्रोनः यूक्रेनी वायुसेना यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, रूस ने रातभर में यूक्रेन पर 166 लंबी दूरी के ड्रोन और दो निर्देशित मिसाइलें दागीं। यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने इनमें से 146 ड्रोन मार गिराए।

रूक्ष के रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा : रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रातभर में 140 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए। बेलगोरोद क्षेत्र में एक यूक्रेनी ड्रोन के एक अपार्टमेंट इमारत से टकराने के कारण एक महिला की मौत हो गई। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा भी ताल्लिन पहुंचे। वहां उन्होंने एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गुस साहकना से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने यूक्रेन की सुरक्षा, रूस पर दबाव बढ़ाने और यूरोपीय संघ में यूक्रेन की सदस्यता की कोशिशों पर चर्चा की। साहकना ने एक्स पर लिखा कि एस्टोनिया यूक्रेन के साथ तब तक खड़ा रहेगा, जब तक जरूरत होगी।

शी जिनपिंग का उत्तर कोरिया दौरा: सहमति का दावा बड़ा, पर हाथ रहा खाली; नहीं हुआ कोई ठोस समझौता

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उत्तर कोरिया की दो दिनी यात्रा पूरी करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन के साथ महत्वपूर्ण सहमति पर पहुंचने के दावा किया। हालांकि, दोनों रणनीतिक सहयोगियों के बीच किसी ठोस समझौते की कोई घोषणा नहीं हुई।

उत्तर कोरिया की यात्रा के पहले दिन सोमवार को जिनपिंग ने किम को चीन के अटूट समर्थन का आश्वासन दिया था। यह सात साल बाद जिनपिंग की उत्तर कोरिया की यात्रा थी। दोनों रणनीतिक सहयोगियों के बीच किसी ठोस समझौते की कोई घोषणा नहीं हुई और चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण पर किसी भी वार्ता से संबंधित सवालों का जवाब देने से इन्कार कर दिया। उत्तर कोरिया, जिसने 2006 से कई परमाणु परीक्षण किए हैं, सार्वजनिक रूप से खुद को परमाणु-आयुध से लैस देश बताता है, लेकिन बीजिंग कोरियाई प्रायद्वीप पर परमाणु हथियारों के विरोध में है और परमाणु निरस्त्रीकरण का समर्थन करता है।

बीजिंग के रुख में बदलाव नहीं : उत्तर कोरिया की जिनपिंग की यात्रा के परिणामों पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने संकेत दिया कि कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण पर बीजिंग के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। परमाणु निरस्त्रीकरण से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, चीन कोरियाई प्रायद्वीप के मुद्दे पर अपनी स्थिति और नीति में निरंतरता और स्थिरता बनाए हुए है।

चीनी प्रवक्ता ने कहा, चीन कूटनीति, कानून प्रवर्तन, सैन्य और अन्य क्षेत्रों में उत्तर कोरिया के साथ आदान-प्रदान बढ़ाने के लिए तैयार है, ताकि हमारे द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए ज्ञान और शक्ति का साझा उपयोग किया जा सके। उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर जिनपिंग और किम के बीच हुई किसी भी चर्चा का सरकारी मीडिया ने स्पष्ट रूप से कोई उल्लेख नहीं किया है।

अमेरिका में मौत की सजा पर नया विवाद: अलबामा में नाइट्रोजन गैस से मृत्युदंड पर रोक, जज ने बताया असांविधानिक और क्रूर

मॉन्टगोमेरी, एजेंसी। अमेरिका के अलबामा राज्य में नाइट्रोजन गैस के जरिए दी जाने वाली मौत की सजा पर बड़ा कानूनी झटका लगा है। एक संघीय न्यायाधीश ने इस तरीके को संविधान के खिलाफ और अत्यधिक क्रूर बताते हुए एक कैदी की प्रस्तावित सजा पर स्थायी रोक लगा दी है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश एमिली सी. मार्क्स ने मंगलवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि नाइट्रोजन गैस के जरिए मौत की सजा देना संविधान में दिए गए क्रूर और असामान्य सजा पर प्रतिबंध का उल्लंघन करता है।

कैदी को नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा देने पर स्थायी रोक : यह फैसला उस समय आया जब एक अपीलीय अदालत ने एक दिन पहले ही उनके पुराने फैसले को पलट दिया था, जिसमें इस पद्धति को सांविधानिक माना गया था। जज मार्क्स ने कैदी जेफरी ली को नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा देने

पर स्थायी रोक लगा दी। जेफरी ली को गुरुवार को अलबामा की एक जेल में मृत्युदंड दिया जाना था। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य चाहे तो अन्य स्वीकृत तरीकों से सजा-ए-मौत को लागू कर सकता है। अलबामा में फिलहाल घातक इंजेक्शन (लीथल इंजेक्शन) और इलेक्ट्रिक चेयर भी वैध मृत्युदंड के तरीके हैं। जज ने कहा कि जेफरी ली को इन तरीकों से फांसी रोकने का अधिकार नहीं है।

'मौत की सजा के हर तरीके को दी जा सकती है चुनौती' : अपने 26 पन्नों के फैसले में जज मार्क्स ने कहा कि मौत की सजा के हर तरीके को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने लिखा कि अगर राज्य फायरिंग स्क्वाड को भी अपनाए तो उसके खिलाफ भी कानूनी चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने यह भी माना कि संविधान दर्दरहित मौत की गारंटी नहीं देता, लेकिन किसी व्यक्ति की जान लेने की प्रक्रिया में दर्द का जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सकता।

राज्य को अन्य विकल्प अपनाने की छूट : दिलचस्प बात यह है कि जज ने कहा कि राज्य चाहे तो ली की पसंदीदा फांसी की विधि, यानी फायरिंग स्क्वाड, को अपना सकता है। अमेरिकी कानून के तहत फांसी की विधि को चुनौती देने वाले कैदी को कोई वैकल्पिक तरीका भी सुझाना होता है। जज ने कहा कि राज्य के पास फायरिंग स्क्वाड के लिए आवश्यक हथियार, गोला-बारूद और प्रशिक्षण की व्यवस्था करने की क्षमता है। जेफरी ली 1998 में हुई एक दोहरे हत्या की वारदात में दोषी ठहराया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार उसने एक गिरवी दुकान (पॉनशॉप) में लूटपाट के दौरान दुकान मालिक जिमी एलिस और कर्मचारी एलेन थॉम्पसन की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

आर्टेमिस 3: नासा ने किया क्रू का एलान, 2027 में होगा बड़ा परीक्षण; स्पेसएक्स और ब्लू ओरिजिन में रेस

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने महत्वाकांक्षी आर्टेमिस 3 मिशन के लिए यात्रियों के नामों की घोषणा कर दी है। यह मिशन इंसानों को दोबारा चांद पर उतारने की दिशा में नासा का एक बेहद अहम कदम है। यह एलान आर्टेमिस II मिशन की ऐतिहासिक कामयाबी के ठीक दो महीने बाद किया गया है। बता दें कि आर्टेमिस II ने हाल ही में चंद्रमा का चक्कर लगाकर अपोलो 13 का सबसे लंबी दूरी का रिकॉर्ड तोड़ा था।

धरती की कक्षा में परीक्षा : आर्टेमिस III मिशन के तहत चुने गए अंतरिक्ष यात्री सीधे चांद पर नहीं जाएंगे। नासा के रैंडी ब्रेसनिक, फ्रैंक रुबियो, आंद्रे डगलस और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के लुका परमितानो इस बार चांद की सतह पर कदम नहीं रखेंगे। इसके बजाय, यह क्रू दो सप्ताह तक पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगाएगा। इस दौरान ये अंतरिक्ष यात्री अपने ओरियन कैप्सूल को दो कमर्शियल लूनर लैंडर्स के साथ डॉक करने का कड़ा अभ्यास करेंगे। मिशन कमांडर रैंडी ब्रेसनिक ने कहा कि उनकी टीम अंतरिक्ष में इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं मिशन विशेषज्ञ आंद्रे डगलस ने इस चयन पर बेहद खुशी जताई है।

अरबपतियों के बीच होड़ : इस पूरे प्रोजेक्ट में दुनिया के दो सबसे बड़े रईसों के बीच कड़ी टक्कर चल रही है। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स और जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन लूनर लैंडर बनाने की रेस में शामिल हैं। नासा ने इस दो हफ्ते के डेमो मिशन के लिए साल 2027 का लक्ष्य रखा है। हालांकि, जेफ बेजोस की कंपनी ब्लड ओरिजिन को हाल ही में एक बड़ा झटका लगा है। फ्लोरिडा में लॉन्च पैड पर इंजन परीक्षण के दौरान कंपनी का एक विशाल रॉकेट धमाके के साथ उड़ गया। इस धमाके से आसपास के घर हिल गए और आसमान में आग का एक बड़ा गोला दिखाई दिया। इस झटके के बावजूद नासा के जेरेमी पार्सन्स ने भरोसा जताया है कि ब्लू ओरिजिन समय पर रॉकेट तैयार कर लेगी।

मिशन मून से मिशन मार्स : नासा का आर्टेमिस कार्यक्रम 1970 के दशक के बाद पहली बार इंसानों को चांद पर वापस ले जाने की कोशिश है। नासा के प्रशासक जेरेड इसाकमैन ने हाल ही में इस पूरे कार्यक्रम में कुछ बड़े बदलाव किए हैं। अब इस मिशन को अपोलो युग की तरह ही तेजी से आगे बढ़ाने की तैयारी है।

नई योजना के मुताबिक, साल 2027 में पृथ्वी की कक्षा में होने वाले इस परीक्षण के बाद साल 2028 में अंतरिक्ष यात्रियों को सीधे चांद की सतह पर उतारा जाएगा। इसके साथ ही, नासा ने मून बेस बनाने के लिए ब्लू ओरिजिन सहित चार कंपनियों को करोड़ों डॉलर के कॉन्ट्रैक्ट दिए हैं। जेरेड इसाकमैन के अनुसार, इस मून बेस का असली मकसद भविष्य के मंगल मिशन (मार्स एक्सपीडिशन) की नींव रखना है।

नस्लीय तनाव से घिरे मर्डर केस में कार्मेलो को 35 साल जेल की सजा

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका का टेक्सास पिछले साल एक सनसनीखेज हत्याकांड से दहल उठा था। यहां नस्लीय तनाव से घिरे मर्डर केस में आखिरकार अदालत का फैसला आ गया है। कॉलिन काउंटी की जूरी ने 19 साल के कार्मेलो एंथनी को 17 वर्षीय ऑस्टिन मेटकाफ की हत्या का दोषी पाया है। जूरी के इस फैसले के बाद अदालत ने कार्मेलो एंथनी को 35 साल जेल की सजा सुनाई है। फैसला आते ही अदालत के बाहर कार्मेलो के समर्थकों और पुलिस के बीच हिंसा की खबरें भी सामने आई हैं। घटना 2 अप्रैल 2025 की है। यहां फ्रिस्को के डेविड कुयकेंडल स्टेडियम में एक इंटर-स्कूल रेस ट्रैक कॉम्पीटीशन चल रही थी। तेज बारिश और आंधी के कारण खेल को थोड़ी देर के लिए रोक दिया गया था। जानकारी के मुताबिक ऑस्टिन मेटकाफ 'मेमोरियल हाई स्कूल' का छात्र था और कार्मेलो एंथनी 'सेंटेनियल हाई स्कूल' का। चूंकि सेंटेनियल स्कूल का वहां कोई टेंट नहीं था, इसलिए कार्मेलो बारिश से बचने के लिए मेमोरियल हाई स्कूल के टीम टेंट के नीचे जाकर बैठ गया। वहां मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ऑस्टिन मेटकाफ और उसके जुड़वां भाई हंटर मेटकाफ समेत करीब 15 छात्रों ने कार्मेलो को उनका टेंट छोड़कर जाने को कहा। बहस बढ़ने पर ऑस्टिन ने कार्मेलो को पीछे धकेलना शुरू कर दिया। इससे कार्मेलो बुरी तरह भड़क गया। गुस्से में कार्मेलो ने अपने बैग से एक धारदार चाकू निकाली और ऑस्टिन के सीने पर दे मारा। ऑस्टिन ने अपने जुड़वां भाई की गोद में ही दम तोड़ दिया।

सेल्फ डिफेंस की दलील खारिज : इस मामले में अदालत की सुनवाई पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बनी। बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी ने यह कदम सेल्फ डिफेंस यानी आत्मरक्षा में उठाया था। कार्मेलो के वकील ने अदालत को बताया कि ऑस्टिन मेटकाफ शारीरिक रूप से कार्मेलो से 50 से 60 पाउंड भारी और लंबा था और जब उसने कार्मेलो को धकेलना शुरू किया तब उसने अपनी जान बचाने के लिए आत्मरक्षा में वह कदम उठाया। वहीं सरकारी वकील ने कहा कि चाकू से वार जान लेने के मकसद से किया गया। गवाहों के हवाले से यह नज साबित किया गया कि चाकू मारने से ठीक पहले कार्मेलो ने ऑस्टिन को धमकी देते हुए कहा था, 'मुझे छूकर देखो फिर अंजाम भुगतना।' वहीं डॉक्टरों ने भी कोर्ट में गवाही दी कि घाव इतना गहरा था कि ऑस्टिन का बचना नामुमकिन था। यह मामला अमेरिका में इसलिए भी राष्ट्रीय सुर्खियों में रहा क्योंकि आरोपी कार्मेलो एंथनी अश्वेत है और मृतक ऑस्टिन मेटकाफ श्वेत था। इस वजह से केस को नस्लीय रंग भी दिया गया। आरोपी को बड़ी संख्या में लोगों का समर्थन मिला और सोशल मीडिया पर कार्मेलो के समर्थन में अभियान भी चले। कार्मेलो को कानूनी लड़ाई लड़ने में मदद के लिए ऑनलाइन क्राउडफंडिंग के जरिए 5,15,000 डॉलर यानी 4.3 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई गई। मदद के लिए जुटाए गए इन पैसों पर विवाद भी हुआ। आरोप लगे कि दोषी ने इन पैसों से एक आलीशान घर और गाड़ी खरीदी। हालांकि क्राउडफंडिंग कंपनी ने इन खबरों को खारिज करते हुए बताया कि कार्मेलो के परिवार ने जुटाए गए पैसे कभी निकाले ही नहीं।

पीओके में प्रोटेस्ट की सजा मौत, चार नेताओं के सिर पर 1 करोड़ का इनाम

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी द्वारा बुलाए गए विरोध प्रदर्शनों और हड़ताल के बाद सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच भीषण हिंसक झड़पें हुई हैं। इन झड़पों में एक डॉक्टर और एक महिला समेत कई लोगों के मारे जाने की खबर है, जबकि पुलिसकर्मियों समेत कई लोग घायल हुए हैं। हालात बेकाबू होने के बाद पीओके प्रशासन ने इंटरनेट सेवाएं ठप कर दी हैं। प्रदर्शनों को कुचलने के लिए प्रशासन ने 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के 4 नेताओं की गिरफ्तारी पर एक करोड़ पाकिस्तानी रुपये का इनाम घोषित किया है। यह वही संगठन है जिसे पिछले हफ्ते बैन किया गया है और जो इस पूरे इलाके में हो रहे प्रदर्शनों के केंद्र में है। पाकिस्तान द्वारा प्रदर्शनकारियों पर की गई क्रूर कार्रवाई में अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

हिंसक झड़प में कई लोगों की मौत : मीरपुर विजन (मीरपुर, भिंबर और कोटली जिले) से प्रदर्शनकारियों ने मुजफ्फराबाद की ओर अपना मार्च शुरू किया, जिसके बाद कई जगहों पर पुलिस से उनकी सीधी भिड़ंत हुई। सबसे हिंसक झड़पें कोटली शहर में हुईं। स्थानीय निवासियों और पीओके कैबिनेट के सदस्यों के मुताबिक, इन झड़पों में एक डॉक्टर और एक महिला सहित कई लोगों की जान गई है और दर्जनों लोग घायल हैं।

बताया जा रहा है कि एक डॉक्टर अपने घर की छत पर थे, तभी उन्हें गोली लग गई। मीरपुर के बाहरी इलाके में भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए।

नेताओं पर देशद्रोह का केस और 1 करोड़ का इनाम : पीओके के गृह विभाग ने जेएएसी नेता शौकत नवाज मीर (मुजफ्फराबाद) और मेहरान अरशद ख्वाजा (मीरपुर) के खिलाफ देशद्रोह की

कार्यवाही शुरू करने के आदेश दिए हैं। इन पर अपने भाषणों, वीडियो और ऑडियो के जरिए देशद्रोह फैलाने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा, प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे चार प्रमुख नेताओं - शौकत नवाज मीर, उमर नजीर कश्मीरी, ख्वाजा मेहरान अरशद और सरदार अमान खान की गिरफ्तारी के लिए 'हेड मनी' के तौर पर 1-1 करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की गई है।

इंटरनेट सेवाएं ठप, जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित : विरोध को दबाने के लिए पूरे पीओके में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे वहां से सही जानकारी बाहर नहीं आ पा रही है। सभी शहरों और कस्बों में पूर्ण हड़ताल है। बैंक, मेडिकल स्टोर और परिवहन पूरी तरह से ठप हैं। मुजफ्फराबाद में दंगा रोधी पुलिस ने सरकारी इमारतों और मुख्य सड़कों पर मोर्चा संभाल लिया है। इस बीच, वकीलों ने भी हाईकोर्ट के कोर मेंबर और वरिष्ठ वकील अमजद अली खान की गिरफ्तारी के विरोध में न्यायिक कामकाज का पूरी तरह से बहिष्कार कर दिया है।

विदेशी एजेंसियों से संपर्क के आरोप में 5 गिरफ्तार : खुफिया इनपुट के आधार पर पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों ने मुजफ्फराबाद से पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। सरकारी न्यूज एजेंसी के दावों के मुताबिक, पूछताछ के बाद भारी मात्रा में हथियार (7 स्वचालित हथियार, कई ग्रेनेड और सैन्य उपकरण) बरामद हुए हैं। जांचकर्ताओं का दावा है कि इन संदिग्धों के विदेशी खुफिया एजेंसियों से संपर्क होने के सबूत मिले हैं।

पीओके के पीएम की अपील- 'बातचीत की मेज पर लौटें' : पीओके के कठपुतली प्रधानमंत्री फैसल मुमताज राठौर ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत के जरिए मसला सुलझाने की अपील की है।

खाने-पीने की इन चीजों का सेवन करने से बचें

कम हो जाएगा लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा

अगर आप अपने लिवर की सेहत को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आपको अपने खान-पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अनहेल्दी खान-पान की वजह से आपका लिवर बुरी तरह से डैमेज हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लिवर खून को साफ करने का काम करता है और अगर आपका लिवर हेल्दी नहीं रहेगा तो आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

फ्राइड फूड्स से परहेज करने की कोशिश करें

जो लोग अक्सर फ्राइड फूड्स खाते हैं, उन्हें लिवर से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तला-भुना खाना लिवर में सूजन पैदा कर सकता है। लिवर से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए फ्राइड फूड्स से परहेज करने में ही समझदारी है।

शुगरी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए

क्या आप अक्सर शुगरी ड्रिंक्स पीते हैं? अगर हां, तो आपकी इस आदत की वजह से लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। फैटी लिवर समेत दूसरी लिवर से जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए शुगरी ड्रिंक्स को अपने डाइट प्लान में शामिल न करें।

नुकसान पहुंचा सकता है प्रोसेस्ड मीट

अगर आप भी अक्सर प्रोसेस्ड मीट का सेवन करते हैं, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रोसेस्ड मीट आपके लिवर की सेहत को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि आपको लिमिट में रहकर ही प्रोसेस्ड मीट को कंज्यूम करना चाहिए।

घातक साबित हो सकती है शराब पीने की आदत

अगर आप शराब पीते हैं, तो न केवल आपका लिवर बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। सेहत से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आपको शराब पीना छोड़ देना चाहिए।

दूध के साथ करें इन चीजों का सेवन

दूर हो जाएगी विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी12 की कमी आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। इसलिए आपको इस जरूरी पोषक तत्व की कमी को जल्द से जल्द दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए आप अपने डाइट प्लान में थोड़े बहुत बदलाव कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दूध के साथ कुछ चीजों को कंज्यूम करके आपको विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा मिल सकता है।

खा सकते हैं खजूर – विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए खजूर का सेवन किया जा सकता है। रात में सोने से पहले दो से चार खजूर को गुनगुने दूध के साथ कंज्यूम करने से जल्द ही विटामिन बी12 की कमी दूर हो सकती है। इसके अलावा इस तरह से खजूर का सेवन करके आप अपनी स्लीप क्वॉलिटी को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

दूध के साथ पनीर खाएं – पनीर में विटामिन बी12 की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। सोने से पहले गुनगुने दूध के साथ थोड़ा सा पनीर खाएं और विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा पाएं। अगर आप अंडा खा लेते हैं, तो दूध के साथ बॉइल्ड एग को भी कंज्यूम कर सकते हैं। दूध के साथ पनीर या फिर अंडे का सेवन करके आप अपनी ओवरऑल हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

फायदेमंद साबित होगा मेथी दाना 9

अमरूद के पत्तों में छिपा है सेहत का खजाना

जानें इससे मिलते हैं कौन से फायदे और सेवन का सही तरीका

अमरूद का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं अमरुद के पत्तों भी आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होते हैं। अमरुद के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनिरल्स होते हैं जो समग्र स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं अमरुद का सेवन करने से सेहत को कौन से फायदे होते हैं और इसका इस्तेमाल कैसे करें?

अमरुद के पत्तों से मिलते हैं ये फायदे:

पाचन होता है बेहतर: अमरूद के पत्ते एसिडिटी को कम करके और पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को बढ़ावा देकर दस्त और सूजन जैसी पाचन समस्याओं में मदद कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है मजबूत: अमरूद के पत्तों में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट के उच्च स्तर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

स्किन से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर: अमरूद के पत्तों का उपयोग उनके विरोधी भड़काऊ और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण मुँहासे, काले धब्बे और उम्र बढ़ने के संकेतों सहित विभिन्न त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है।

दांतों के लिए फायदेमंद: अमरूद के पत्तों को चबाने से दांत दर्द और मसूड़ों की समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें मौजूद जीवाणुरोधी गुण मसूड़ों की बीमारी, दांत दर्द और सांसों की बदबू को रोकने में मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी: अमरूद के पत्ते खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके और संभावित रूप से रक्तचाप विनियमन का समर्थन करके हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकते हैं।

रक्त शर्करा नियंत्रण: अमरूद के पत्ते रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, संभावित रूप से मधुमेह वाले व्यक्तियों या जोखिम वाले लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं।

पीरियड्स के दर्द में फायदेमंद: अमरूद के पत्ते मासिक धर्म में ऐंठन के लिए भी लाभ प्रदान कर सकते हैं, संभावित रूप से दर्द की तीव्रता को कम करने के साथ-साथ वजन घटाने में भी सहायता कर सकते हैं।

कैसे करें अमरुद के पत्तों का इस्तेमाल?

ताजे या सूखे अमरूद के पत्तों को 5-10 मिनट तक पानी में उबालें फिर उसे छानकर पिएं। आप स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं। अमरूद के पत्तों को पानी में उबालकर ठंडा होने दें। शैम्पू करने के बाद ठंडे पानी से बालों को धोएँ, इससे बाल मजबूत होंगे और बालों का झड़ना कम होगा। आराम और सुगंधित स्नान के लिए अपने नहाने के पानी में अमरूद के पत्ते डालें।

सुबह खाली पेट पिएं ये देसी ड्रिंक्स, वजन होगा तेजी से कम

अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है तो उसे कम करने के लिए अपनी डाइट में इन कुछ देसी ड्रिंक्स को शामिल करें। इन ड्रिंक्स को खाली पेट पीने से न केवल वजन कम होता है बल्कि सेहत से जुड़े अन्य कई फायदे मिलते हैं। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के साथ अपनी सुबह की दिनचर्या में इन ड्रिंक्स को शामिल करने से मेटाबॉलिज़्म तेज होता है जिससे वजन कम करना आसान हो जाता है। चलिए जानते हैं किन ड्रिंक्स के सेवन से बढ़ते मोटापे पर लगाम लगाया जा सकता है।

इन देसी ड्रिंक्स से करें दिन की शुरुआत:

नींबू पानी: नींबू पानी विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। खाली पेट सेवन करने से शरीर को डिटॉक्स करने, पाचन में सुधार करने और पेट भरा होने का एहसास दिलाती है। एक गिलास गर्म पानी में आधा नींबू का रस निचोड़ें। अच्छी तरह से हिलाएँ और इसे खाली पेट पिएँ।

जीरा पानी: जीरा रसोई का एक मुख्य हिस्सा है। जीरा पानी वजन कम करने के साथ आपका पाचन भी दुरुस्त करता है। साथ ही यह जीरा पानी पाचन एंजाइमों को एक्टिव करता है, जिससे खाना आसानी से पच जाता है। जीरा पानी पेट फूलना, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। एक कप पानी में 1 चम्मच जीरा रात भर भिगोएँ। सुबह इसे उबालें, छान लें और इसे गर्म-गर्म पीएँ। नाश्ते से कम से कम 20 मिनट पहले इसे पिएँ।

आंवला का जूस: आंवला विटामिन सी से भरपूर होता है और बेहतर पाचन को बढ़ाता है, वजन को कम करता है, मेटाबॉलिज़्म बढ़ाता है और बॉडी को डिटॉक्सफाई करता है। एक गिलास गर्म पानी में 2 बड़े चम्मच ताज़ा आंवला का जूस मिलाएँ। इसे खाली पेट पिएँ। इसे चाय या कॉफ़ी के साथ पीने से बचें।

दालचीनी का पानी: अगर आप वजन तेजी से कम करना चाहते हैं तो दालचीनी के पानी से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। दालचीनी का पानी चयापचय को तेज़ करने और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकता है, जिससे वजन प्रबंधन में सहायता मिलती है। एक कप पानी उबालें और उसमें एक चम्मच दालचीनी पाउडर या दालचीनी की एक छड़ी डालें। इसे 10 मिनट तक भीगने दें। छान लें और गरम-गरम पी लें।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए अंजीर का पानी

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अंजीर के पानी में पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन के, फाइबर, प्रोटीन, आयरन और जिंक समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस ड्राई फ्रूट के पानी को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको सुबह-सुबह खाली पेट अंजीर का पानी पीना चाहिए।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अगर आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अंजीर का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा फाइबर रिच अंजीर का पानी पीकर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

क्या आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको अंजीर के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। अंजीर के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके दिल की सेहत को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। अंजीर का पानी आपकी बोन हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

मिलेंगे एक से बढ़कर एक फायदे

जो लोग कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, उन्हें अंजीर का पानी पीने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए भी इस ड्राई फ्रूट के पानी को कंज्यूम किया जा सकता है। सेहत से जुड़ी इन समस्याओं से छुटकारा पाने और शरीर को फौलादी बनाने के लिए हर रोज सुबह-सुबह अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए और महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखिए।

कितनी देर में खराब हो जाती है चाय?

कई लोगों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि सर्दियों का मौसम चल रहा है या फिर गर्मियों का, उन्हें दिन में एक से दो बार चाय तो पीनी ही होती है। कुछ लोग अपने दिन की शुरुआत चाय से करते हैं, तो वहीं कुछ लोग अपनी थकावट को दूर करने के लिए चाय का सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पीना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है?

कितनी देर में हो जाती है खराब?

दूध वाली चाय को ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। एक बार आपने चाय को पका लिया, तो आपको चाय को ठंडा होने से पहले पी लेना चाहिए। चाय को आधे घंटे से पहले ही पी लेना चाहिए। दूध वाली चाय हर्बल टी की तुलना में जल्दी खराब हो जाती है। हर्बल टी को आप कुछ घंटों तक फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

डाइजेस्टिव सिस्टम पर पड़ सकता है बुरा असर

अगर आपने ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पिया, तो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ सकता है। छोटी सी लगने वाली इस गलती की वजह से एसिडिटी, कब्ज और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा चाय को ज्यादा देर तक रखने के कारण उसके अंदर मौजूद पोषक तत्व भी कम होते चले जाते हैं।

अतिवृष्टि से गदेरा उफनाया, पांच पुलिया बहीं, मार्ग और कृषि भूमि को नुकसान

.रुद्रप्रयाग। अतिवृष्टि से पश्चिमी बांगर खलियान गांव में खूड़गड़ गदेरे उफान पर आ गया जिससे गांव के संपर्क मार्ग व 300 नाली की कृषि भूमि को नुकसान हुआ है। गांव की पांच पुलिया बह गईं। लोगों का कहना है कि आपदा के 12 घंटे बाद भी विभाग का कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुचा। ग्राम प्रधान खलियान लक्ष्मी देवी ने बताया की विगत दिवस दिन में लगातार बारिश के कारण सभी लोग घरों में थे। अतिवृष्टि के कारण अचानक खूड़गड़ गदेरा उफान पर आ गया और पंचायत भवन का शौचालय, आंगन, रामचंद्र भट्ट की दुकान के पीछे मलबा और बोल्डर आ गए। उन्होंने बताया कि गांव के संपर्क मार्ग, पांच पैदल पुलिया व करीब 300 नाली के खेती की भूमि को नुकसान हुआ है जिसकी सूचना कंट्रोल रूम को दी गई है। वहीं रमेश सिंह

ने बताया आपदा के 12 घंटे से अधिक समय बाद भी किसी भी विभाग का कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। ग्रामीण रामचंद्र भट्ट ने बताया की उनके मकान व दुकान के पास गदेरा है। अब मकान के पीछे बोल्डर और मलबा आ गया है। मौके पर पहुंचे पूर्व जिलापंचायत सदस्य महावीर पंवार ने कहा कि आपदा के नुकसान का आकलन करने के लिए अधिकारियों को कहा गया है। वहीं उपजिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया ने बताया कि तहसीलदार व राजस्व निरीक्षक को मौके पर भेजा गया है। खंड विकास अधिकारी जखोली को मौके पर हुए संपत्तियों के नुकसान की जांच करने को कहा गया है। पीएमजीएसवाई की जेसीबी मलबा हटाने में जुटी है।

मूसलाधार बारिश से खलियाण गांव में तबाही

संपर्क मार्ग और पांच पुलिया क्षतिग्रस्त, फैला मलबा

रुद्रप्रयाग। पश्चिमी बांगर क्षेत्र के खलियाण गांव में खूड़गढ़ गदेरे में मूसलाधार बारिश से भारी नुकसान हुआ है। घटना में गांव का संपर्क मार्ग, पांच पैदल पुलियां, पंचायत भवन परिसर और करीब 300 नाली कृषि भूमि प्रभावित हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, मलबा और बोल्डर आने से कई स्थानों पर आवाजाही बाधित हो गई है। ग्राम प्रधान रजनी देवी ने बताया कि लगातार मूसलाधार बारिश के बीच अचानक गदेरे में तेज बहाव आने से पंचायत भवन परिसर, शौचालय, संपर्क मार्ग और खेती की भूमि को नुकसान पहुंचा है। घटना की सूचना तत्काल जिला आपदा नियंत्रण कक्ष को दी गई। ग्रामीण रमेश सिंह ने आरोप लगाया कि घटना के 12 घंटे बाद तक कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे लोगों में नाराजगी है। वहीं ग्रामीण रामचंद्र भट्ट ने बताया कि उनके मकान और दुकान के पास भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर

जमा हो गए हैं, जिससे खतरा बना हुआ है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य महावीर पंवार ने कहा कि प्रभावितों को राहत दिलाने के लिए नुकसान का आकलन कराया जाएगा। उपजिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया ने बताया कि राजस्व टीम को मौके पर भेज दिया गया है। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। पीएमजीएसवाई की जेसीबी मलबा हटाने और जल निकासी बहाल करने के कार्य में जुटी हुई है।

एक नजर

स्नातक स्तरीय भर्ती परीक्षा के लिए केंद्रों का किया निरीक्षण

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की 14 जून को होने वाली स्नातक स्तरीय भर्ती परीक्षा को लेकर पुलिस ने तैयारियां शुरू की हैं। परीक्षा नकलविहीन और शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए बृहस्पतिवार को जनपद के सभी 16 परीक्षा केंद्रों का पुलिस अधिकारियों ने निरीक्षण किया। नोडल अधिकारी एवं पुलिस उपाधीक्षक विकास पुंडीर, कोतवाली रुद्रप्रयाग प्रभारी सुरेश चंद्र बलूनी, प्रभारी निरीक्षक अगस्त्यमुनि गुमान सिंह, प्रभारी निरीक्षक ऊखीमठ मनोज नेगी ने परीक्षा केंद्रों का भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान केंद्र प्रभारियों और प्रधानाचार्यों के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। परीक्षा के दिन सभी केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मी और एलआईयू की तैनाती रहेगी।

बारिश से किमोली सड़क पर आया मलबा

चमोली। बृहस्पतिवार को पूर्वाह्न 11 बजे क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश से नारायणबगड़–किमोली मोटर मार्ग पर जगह–जगह पहाड़ी से मलबा आ जाने के कारण यातायात बाधित हो गया था। प्रधान किमोली सुरेंद्र लाल ने बताया कि बारिश के कारण अवरुद्ध हुए मार्ग को खोलने के लिए लोनिवि ने मौके पर जेसीबी भेजी। दोपहर बाद जेसीबी ने मलबा हटाकर यातायात व्यवस्था को बहाल किया।

पालिका ने लोक कल्याण मेला आयोजित किया

चमोली। नगर पालिका ने दीन दयाल पार्क में लोक कल्याण मेले का आयोजन किया। इस दौरान रेड़ी, फेरी और ठेली व्यवसायियों को पीएम स्वनिधि योजना 2.0 की जानकारी दी गई। साथ ही इन व्यवसायियों के परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया। अधिशासी अधिकारी नरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि व्यवसायियों को योजना के तहत पहले चरण में 15, दूसरे में 25 और तीसरे चरण में 50 हजार तक ब्याज मुक्त ऋण दिया जाता है। पीएम स्वनिधि योजना 1.0 में 114 और 2.0 में करीब 10 लोगों को योजना का लाभ दिया जा चुका है। जानकारी दी गई कि योजना में लिए गए ऋण का भुगतान यूपीआई के माध्यम से करने पर कैश बैक जैसी सुविधाओं का लाभ दिया जाता है।

घायलों को डेढ़ लाख रुपये तक मिलेगा उपचार

चमोली। विधिक सेवा प्राधिकरण ने कालेश्वर में सड़क सुरक्षा जागरूकता शिविर आयोजित किया। इसमें संभागीय परिवहन अधिकारी पौड़ी विमल पांडे ने केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री राहवीर योजना की जानकारी दी। उन्होंने सड़क दुर्घटना में घायल लोगों के लिए राहत स्कीम योजना भी बताई। कहा कि इस योजना के तहत केंद्र सरकार डेढ़ लाख रुपये तक के उपचार का खर्च वहन करेगी। दुर्घटनाएं रोकने के लिए यातायात नियमों का पालन करना आवश्यक है। शिविर में वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर एआरटीओ अभिषेक भटगांई और एआरटीओ प्रवर्तन आनंद जायसवाल भी मौजूद थे। प्रशासनिक अधिकारी अजय नौडियाल सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

दलित युवक की हत्या मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

नई टिहरी। लंबगांव थाना क्षेत्र में दलित युवक की हत्या में पंजीकृत अभियोग के तहत पुलिस ने दो और अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में दो लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर दिए गए थे। एसएसपी श्वेता चौबे ने कहा कि हत्याकांड में पुलिस निष्पक्ष जांच कर प्रभावी कार्रवाई कर रही है।लंबगांव थाना क्षेत्र में सात जून की रात को प्रेम–प्रसंग के मामले में देवल निवासी युवक केतन लाल (18) की पीट पीट कर हत्या कर दी गई थी। स्थानीय लोगों ने इस घटना का कड़ा विरोध करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग के लिए बौराड़ी अस्पताल में धरना दिया। पुलिस–प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा मिलने पर ही परिजनों ने 10 जून को शव का दाहसंस्कार किया। एसएसपी ने बताया कि विवेचना के दौरान संकलित साक्ष्यों के आधार पर फरार चल रहे तीसरे अभियुक्त सचिन पंवार (27) निवासी खोलगढ़ वल्ला तहसील प्रतापनगर को 11 जून को सुबह साढ़े आठ बजे चौंधार तिराहे से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन चालक बताया गया है।

मथकुड़ीसैंण अटल उत्कृष्ट विद्यालय में शिक्षकों की कमी से प्रभावित हो रही पढ़ाई

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक की हिंदांव पट्टी स्थित अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज मथकुड़ीसैंण में पिछले दो वर्षों से शिक्षकों की कमी के कारण छात्र–छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसका असर विद्यालय के परीक्षा परिणामों पर भी साफ दिखाई दे रहा है, जिससे अभिभावकों में नाराजगी बढ़ रही है। जिला पंचायत सदस्य हड्याणा मल्ला विक्रम सिंह घणाता ने बताया कि विद्यालय में प्रधानाचार्य का पद पिछले 10 वर्षों से रिक्त है। इसके अलावा एलटी संवर्ग में सामाजिक विज्ञान व सामान्य ज्ञान तथा प्रवक्ता संवर्ग में समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास और संस्कृत के पद खाली हैं। प्रयोगशाला सहायक और चौकीदार का पद भी रिक्त चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस सत्र में विद्यालय का हाईस्कूल परीक्षा परिणाम 40 प्रतिशत से कम रहा। करीब 350 छात्र–छात्राओं वाले इस विद्यालय में पंगरियाणा, लैनी, डॉरसील, महर गांव मल्ला, बढ़ियार, सरपोली, चटोली, अंथवाल गांव समेत कई क्षेत्रों के विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और अभिभावकों ने जल्द शिक्षकों व कर्मचारियों की नियुक्ति की मांग की है।

16 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने एक युवक को 16 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि क्षेत्र में नशा तस्करी की रोकथाम के लिए लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने कौड़िया कैंप के निकट संदिग्ध युवक की तलाशी ली, जिसके कब्जे से 16 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम नवभारत बताया। बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पार्किंग में पुलिस ने चालकों को किया जागरूक

चमोली। चारधाम यात्रा के दौरान सुरक्षित व सुगम आवागमन के लिए यातायात पुलिस ने माणा पार्किंग में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यातायात निरीक्षक दिगंबर उनियाल ने बस व टैक्सी चालकों को सड़क सुरक्षा, यातायात व अन्य नियमों के बारे में जानकारी दी। यातायात निरीक्षक ने कहा कि यात्रा के दौरान सड़कों पर वाहनों का दबाव अत्यधिक बढ़ जाता है, ऐसे में वाहन चालक की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। चालक को नियंत्रित गति सीमा का पालन करने, ओवर लोडिंग से बचने, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने, नशे में वाहन न चलाने और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की। कहा कि पहाड़ी मार्गों पर थोड़ी सी लापरवाही गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसके अलावा परिवहन से जुड़े अन्य नियमों की भी जानकारी दी गई।

फूलों की घाटी में लापता पर्यटक की ड्रोन से की तलाश

चमोली। फूलों की घाटी क्षेत्र में लापता हुए पर्यटक की तलाश दूसरे दिन भी जारी रही। एसडीआरएफ और वन विभाग की संयुक्त टीम ने बृहस्पतिवार को पूरे क्षेत्र में सघन सर्च अभियान चलाया लेकिन देर शाम तक पर्यटक का कुछ पता नहीं लग सका। नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के डीएफओ अभिमन्यु ने बताया कि बुधवार को फूलों की घाटी घूमने गए गब्बर सिंह (48) निवासी फरीदाबाद (हरियाणा) के लापता होने की सूचना मिली थी। उनकी खोज के लिए ड्रोन की मदद से घाटी और आसपास के क्षेत्रों की निगरानी की गई। टीमों ने ग्लेशियर प्वाइंट सहित दुर्गम स्थानों पर भी तलाश अभियान चलाया। डीएफओ ने बताया कि मुख्य गेट के अलावा घाटी से बाहर निकलने के दो अन्य मार्ग भी हैं। संभावना है कि पर्यटक इनमें से किसी रास्ते से बाहर निकला हो। परिजनों से संपर्क करने पर पता चला कि वह पिछले तीन वर्षों से परिवार के संपर्क में नहीं था। खोज अभियान जारी है।

विकास कार्यों के लिए नगर पंचायत ने 5.12 करोड़ का बजट किया पारित

नई टिहरी। नगर पंचायत घनसाली की बोर्ड बैठक में इस वित्तीय वर्ष के लिए 5.12 करोड़ रुपये का वार्षिक बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। बजट में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने, पार्क निर्माण, नालियों के निर्माण, मरम्मत, इंटरलॉक टाइल्स मार्गों के निर्माण और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई है। नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद बिष्ट की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक आयोजित की गई। सभासदों ने नालियों की सफाई न होने पर रोष जताया। मानसून से पहले विशेष अभियान चलाकर नालियों की सफाई करने की मांग प्रुखता से उठाई गई। नगर पंचायत अध्यक्ष बिष्ट ने लोक निर्माण विभाग को नगर पंचायत क्षेत्र के मोटर मार्गों के दोनों ओर इंटरलॉक टाइल्स लगाने और क्षतिग्रस्त नालियों की मरम्मत जल्द करने को कहा। वन विभाग के अधिकारियों को बाजार के ऊपरी हिस्से में खड़े चीड़ के पेड़ों का पातन कराने, जल निगम को पेयजल पंपिंग योजना में तेजी लाने को कहा गया। बैठक में सभासदों ने जल संस्थान से नगर क्षेत्र की नालियों से पाइप हटाने की मांग प्रमुखता से उठाई। विधायक शक्ति लाल शाह ने विभागीय अधिकारियों को जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा। कहा कि बरसात का मौसम शुरू होने वाला है, ऐसे में सभी विभाग आपदा की दृष्टि से सतर्कता बरते। बैठक में ईओ संजय कापड़ी, सभासद गोविंद बड़ोनी, विनय राणा, विजय राणा, मोनिका सेमवाल, प्रियंका कुमाई, अरुण रतूड़ी आदि मौजूद रहे।

टिहरी के अग्निवीर जवान रोहित सिंह का जम्मू में निधन

नई टिहरी। टिहरी जनपद के भिलंगना ब्लॉक अंतर्गत मेंडू सिंदवालगांव निवासी अग्निवीर जवान रोहित सिंह (21) पुत्र सुरेन्द्र सिंह का जम्मू में निधन हो गया। जवान की असमय मृत्यु की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। ग्राम प्रधान कुंवर सिंह ने बताया कि जवान रोहित सिंह का पार्थिव शरीर घनसाली पहुंचा है। देर शाम तक उनके पैतृक गांव पहुंचने की संभावना है। शुक्रवार सुबह पैतृक घाट पर पूरे सैन्य सम्मान और गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनकी मौत का कारण अभी स्पष्ट नही है। रोहित सिंह अपने परिवार के बड़े बेटे थे। उनके पिता सुरेन्द्र सिंह रोजगार के सिलसिले में दुबई में रहते हैं और बेटे के निधन की सूचना मिलने के बाद घर के लिए रवाना हो गए हैं। परिवार में रोहित के अलावा उनका छोटा भाई मोहित है, जो वर्तमान में कक्षा नौवी का छात्र है।जवान के निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में उनकी मां और दादी का रो–रोकर बुरा हाल है।

लोगों के लिए नासूर बनीं जल भराव की समस्या

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत केदार मोहल्ला से न्यू कमलेश्वर जाने वाले मार्ग पर जलभराव की समस्या स्थानीय लोगों के लिए नासूर बन गई है। बुधवार शाम हुई बारिश के बाद यह मार्ग एक बार फिर तालाब में तब्दील हो गया। सड़क पर भारी जल भराव के कारण लोगों की आवाजाही पूरी तरह से बाधित हो गई है, जिसके चलते स्थानीय निवासियों में नगर निगम की लचर कार्यप्रणाली के खिलाफ भारी रोष है। स्थानीय बौबी, गणेशपुरी, शिशुपाल चौधरी, आशा बिष्ट और सतेंद्र का कहना है कि यह कोई नई समस्या नहीं है। पहले भी हल्की बारिश में यहां पानी भर जाता है और जल निकासी न होने से सड़क कई-कई दिनों तक तालाब बनी रहती है। अब बुधवार की बारिश ने एक बार फिर लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं और उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबा चक्कर काटना पड़ रहा है। इससे लगभग 250 से अधिक आबादी प्रभावित हो रही है। मोहल्लेवासियों ने चेतावनी दी है कि मानसून से पहले यदि इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो वह नगर निगम के खिलाफ उग्र धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। इस गंभीर समस्या पर स्थानीय पार्षद सूरज नेगी ने बताया कि वार्ड में जल भराव की यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग के सुधार और जल निकासी के लिए उन्होंने बोर्ड बैठक में प्रस्ताव रखा था, जिसे बोर्ड की ओर से पास भी कर दिया गया है। विडंबना यह है कि अभी तक टेंडर प्रक्रिया कब शुरू होगी, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है।

पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करें

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार, थराली विधायक भूपाल राम टम्टा की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला कार्यालय सभागार, गोपेश्वर में नन्दानगर एवं थराली क्षेत्र में आपदा से हुई क्षति के पुनर्वास, पुनर्निर्माण एवं राहत कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आपदा प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त आवासों, सड़कों, पैदल मार्गों, पेयजल योजनाओं तथा अन्य पुनर्वास कार्यों की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया गया।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी ने बताया कि थराली क्षेत्र के लिए रामलीला मैदान, अपर बाजार एवं चैपड़ों की तीन महत्वपूर्ण बाढ़ सुरक्षा योजनाओं को शासन स्तर से स्वीकृति मिल चुकी है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सिंचाई विभाग द्वारा शीघ्र टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने बताया कि तहसील नन्दानगर, नारायणबगड़ एवं जिलासू क्षेत्र के 32 प्रभावित परिवारों के सुरक्षित पुनर्वास हेतु 109.75 लाख रुपये की धनराशि प्राप्त हो चुकी है, जिसकी प्रथम किस्त पात्र परिवारों को वितरित कर दी गई है। इसके अतिरिक्त आपदा से क्षतिग्रस्त विद्यालयों, पेयजल लाइनों, सड़कों एवं पैदल मार्गों के मरम्मत कार्यों के लिए एसडीआरएफ मानकों के अनुरूप धनराशि संबंधित विभागों को उपलब्ध करा दी गई है। बैठक में बताया गया कि थराली एवं नन्दानगर के प्रभावित क्षेत्रों से मलबा हटाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। वहीं नन्दानगर के मोख एवं सेरा क्षेत्रों में मोक्ष नदी के चैनलाइजेशन का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पुनर्वास एवं राहत कार्यों की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग एवं नगर पंचायत के अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी चमोली राजकुमार पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी के.के. पंत सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चमोली में होमगार्ड के 31 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू

चमोली। चमोली जिले में पुरुष होमगार्ड जवानों के 31 पद रिक्त हैं। इन पर भर्ती प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। भर्ती के इच्छुक अभ्यर्थी 30 जून रात्रि 11 बजकर 59 मिनट तक आवेदन होमगार्ड कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जिला कमांडेंट होमगार्ड प्रभारीदीपक कुमार भट्ट ने बताया कि रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। भर्ती के आवेदन पत्र व अन्य विस्तृत जानकारी का विज्ञापन कार्यालय के नोटिस बोर्ड, जिले की सभी तहसीलों व थाना के नोटिस बोर्ड में चस्पा किया गया है। वहां से आवेदन निशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही कार्यालय के फेसबुक पेज डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट चमोली से भी आवेदन डाउनलोड कर सकते हैं। भर्ती संबंधी पात्रता, दस्तावेज व अन्य शर्तों की जानकारी जिला कमांडेंट होमगार्ड कार्यालय से भी प्राप्त कर सकते हैं।

श्रमिकों ने कंपनी पर वेतन भुगतान नहीं करने का लगाया आरोप

विकासनगर। औद्योगिक क्षेत्र में संचालित एक कंपनी के श्रमिकों ने कंपनी प्रबंधन पर वेतन भुगतान नहीं करने और श्रम कानूनो के उल्लंघन का आरोप लगाया है। गुरुवार को इस आशय का ज्ञापन श्रम प्रवर्तन अधिकारी को सौंपते हुए श्रमिकों ने जल्द कार्यवाही की मांग की है। ज्ञापन सौंपते हुए श्रमिकों ने बताया कि कंपनी ने बिना पूर्व सूचना के अपना संचालन बंद कर दिया, जिससे कर्मचारियों का वेतन और अन्य देय भुगतान लंबित रह गए हैं। श्रमिकों ने बताया कि लंबे समय से उन्हें वेतन नहीं मिला है, जिसके कारण उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कंपनी की ओर से बोनस और ग्रेच्युटी का भुगतान नहीं किया गया, वेतन समय पर नहीं दिया गया और कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र भी उपलब्ध नहीं कराए गए।

इसके अलावा श्रमिकों ने 12 घंटे तक काम कराए जाने के बावजूद मात्र आठ घंटे की मजदूरी दिए जाने का भी आरोप लगाया है। श्रमिकों ने यह भी कहा कि कंपनी में कार्यरत कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं। मामले को गंभीर बताते हुए उन्होंने श्रम विभाग से जांच कर कंपनी प्रबंधन के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने और सभी लंबित देयों का भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की है।

यूओयू ने गोद लिया मणिगुह गांव

चमोली। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) के कर्णप्रयाग क्षेत्रीय केंद्र ने रुद्रप्रयाग जिले के ग्राम मणिगुह को गोद लिया है। बृहस्पतिवार को वहां जन–जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम प्रधान माणिक लाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण, युवा और विद्यार्थी शामिल हुए। यूओयू की सहायक क्षेत्रीय निदेशक प्रियंका लोहानी ने बताया कि विश्वविद्यालय इन गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के कार्यक्रम चलाएगा। शिक्षा हर समस्या का प्रभावी समाधान है। निदेशक प्रो. गिरीजा पांडेय ने युवाओं को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और रोजगार की जानकारी दी। पांडेय ने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की कुंजी है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

भारत / अफगानिस्तानः इतिहास रचने की दहलीज पर शुभमन गिल, पहले वनडे में बना सकते हैं बड़ा रिकॉर्ड

दुबई (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 जून से धर्मशाला में शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला कई बड़े रिकॉर्ड्स का गवाह बन सकता है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल इस मैच में बल्लेबाजी के एक खास मुकाम के बेहद करीब हैं। अगर वह बड़ी पारी खेलते हैं तो वनडे क्रिकेट के इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा सकते हैं।

3000 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 43 रन दूर गिल

जनवरी 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे डेब्यू करने वाले शुभमन गिल ने अब तक 61 पारियों में 2953 रन बनाए हैं। उन्हें 3000 वनडे रन पूरे करने के लिए सिर्फ 43 रनों की जरूरत है। अगर गिल धर्मशाला में यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं तो वह वनडे इतिहास में 3000 रन तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज हाशिम अमला ने यह कारनामा 57 पारियों में किया था, जो अब भी विश्व रिकॉर्ड है।

कई दिग्गजों को पीछे छोड़ सकते हैं शुभमन

3000 रन का आंकड़ा छूते ही शुभमन गिल वेस्टइंडीज के शाई होप, पाकिस्तान के फखर जमान और इमाम-उल-हक को पीछे छोड़ देंगे। इन तीनों बल्लेबाजों ने 67 पारियों में 3000 रन पूरे किए थे। साथ ही गिल भारत के सबसे तेज 3000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड शिखर धवन के नाम है, जिन्होंने 72 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था।

रोहित शर्मा भी रिकॉर्ड तोड़ने के करीब

सीरीज के पहले मुकाबले में रोहित शर्मा के पास भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। भारतीय कप्तान को वनडे क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस को पीछे छोड़ने के लिए सिर्फ 3 रनों की जरूरत है। कैलिस ने अपने करियर में 328 वनडे मैचों में 11,579 रन बनाए थे, जबकि रोहित शर्मा 282 मैचों में 11,577 रन तक पहुंच चुके हैं। तीन रन बनाते ही रोहित इस सूची में उनसे आगे निकल जाएंगे।

कुलदीप यादव की नजर 200 विकेट पर

स्टार स्पिनर कुलदीप यादव भी एक खास रिकॉर्ड के करीब हैं। कुलदीप ने अब तक 120 वनडे मैचों में 194 विकेट हासिल किए हैं और उन्हें 200 विकेट पूरे करने के लिए सिर्फ 6 विकेट की जरूरत है। अगर कुलदीप पहले वनडे में छह विकेट लेने में सफल रहते हैं तो वह वनडे क्रिकेट में 200 विकेट पूरे करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम दर्ज है।

सिंधु और तन्वी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

सिडनी (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और युवा खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने बृहस्पतिवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने प्रतिद्वंद्वियों को सीधे गेम में हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने राउंड ऑफ 16 मैच में हमवतन ईशारानी बरुआ को 42 मिनट में 22-20, 21-12 से शिकस्त दी।

बुधवार को चीनी ताइपे की पांचवीं वरीय और दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी च्यू पिन चियान को हराकर उलटफेर करने वाली तन्वी ने हमवतन मालविका बंसोड़ को 21-13, 21-15 से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। अब सिंधु चीनी ताइपे की चेन सु यू से भिड़ेंगी जबकि तन्वी का सामना जापान की शीर्ष वरीय अकाने यामागुची से होगा। तान्या हेमंत का सफर थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से 12-21, 15-21 से हारकर खत्म हो गया।

भारत के हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के माइकल ओवेन और डायलन सोएदजासा की जोड़ी को 21-17, 21-7 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब वे अगले दौर में चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और लियू कुआंग हेंग की जोड़ी से भिड़ेंगे। ध्रुव रावत और के मनीषा की मिश्रित युगल जोड़ी दूसरे दौर में जापान के अकीरा कोगा और नात्सु सैतो की जोड़ी से 19-21, 18-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

भारत आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार, न्यूजीलैंड ने बढ़ाई टीम इंडिया के लिए चिंता

दुबई (एजेंसी)। भारत वार्षिक अपडेट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की पुरुषों की एकदिवसीय टीम रैंकिंग में शीर्ष पर बना हुआ है लेकिन न्यूजीलैंड पर उसकी बढ़त आठ अंक से घटकर सिर्फ पांच अंक की रह गई है। अपडेट के बाद भारत के अंक 119 से घटकर 118 हो गए हैं जबकि न्यूजीलैंड के दो अंक के फायदे से 113 अंक हैं। मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 109 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। शीर्ष 10 टीम में एकमात्र बदलाव में दक्षिण अफ्रीका (102) ने पाकिस्तान (98) को पछाड़कर चौथा स्थान हासिल कर लिया है। नौवें स्थान पर मौजूद बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच अंतर अब बढ़कर 10 अंक का हो गया है। आयरलैंड ने जिम्बाब्वे को पीछे छोड़कर 11वां स्थान हासिल किया है जबकि अमेरिका भी स्कॉटलैंड से आगे निकलकर 13वें स्थान पर है। संयुक्त अरब अमीरात अब कनाडा से आगे 19वें स्थान पर है। पिछले सप्ताह किए गए सालाना अपडेट के बाद भारत आईसीसी की पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी शीर्ष पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक है। ऑस्ट्रेलिया महिलाओं की एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों रैंकिंग में शीर्ष पर है।

त्रिकोणीय सीरीजः अफगानिस्तान ए ने भारत ए को हराया, डीएलएस नियम बना कारण

दांबुला (एजेंसी)। भारत ए टीम यहां अफगानिस्तान ए टीम के खिलाफ हुए त्रिकोणीय सीरीज के अपने दूसरे मैच में 349 रनों का विशाल स्कोर बनाने के बाद भी हार गयी। इसका कारण बारिश होने के कारण डीएलएस नियम से किया गया फैसला रहा। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाज करते हुए 9 विकेट पर 349 रन बनाए। इसक बाद लक्ष्य का पीछा करते हए अफगानिस?तान ने 25.5 ओवर में ही दो विकेट पर 177 रन बना लिए थे। डीएलएस के आधार पर अफगानिस?तान ए को इतने समय तक 174 रन बनाने थे। ऐसे में उसे चार रनों से आगे होने के कारण विजेता घोषित कर दिया गया।

वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रभसिमरन सिंह, ऋतुराज गायकवाड़ और कप्तान तिलक वर्मा के अर्धशतको से भारत ए ने यहां त्रिकोणीय सीरीज में अफगानिस्तान ए के खिलाफ 49 ओवर में 9 विकेट खोकर 349 रन बनाये। इस प्रकार अफगान टीम को जीत के लिए 350 रनों का कठिन लक्ष्य मिला। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। वैभव

सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 7.1 ओवर में 74 रन जोड़े। वैभव ने तेजी से खेलते हुए केवल 22 गेंदों में 44 रन बनाए। वहीं प्रियांश आर्या केवल 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ और प्रभसिमरन ने तीसरे विकेट के लिए 74 गेंदों में 79 रन बनाये। ऋतुराज ने 80 गेंदों पर 66 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं प्रभसिमरन अपने शतक से रह गए और 69 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 84 रन ही बना पाये। आयुष बदोनी शून्य पर ही आउट हुए। वहीं तिलक ने 73 गेंदों में 5 चौके लगाकर 66 रन बनाए। सूर्यांश शेडगे ने 27 गेंदों में 40 रन बनाये।वहीं अरशद खान केवल एक रन ही बना सके। अनुकूल रॉय ने 8 गेंदों का सामना करते हुए 2 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 16 रन बनाए। वहीं, विपराज निगम ने 3 गेंदों में 8 रन बनाए। अफगानिस्तान ए की ओर से गेंदबाजी में अब्दुल्ला अहमदजई ने 68 रन देकर 5 विकेट लिए जबकि फरमानुल्लाह साफी ने 3 विकेट जबकि कप्तान इमरान मीर ने एक विकेट लिया।

एकदिवसीय सीरीज के लिए पांड्या के विकल्प की घोषणा शीघ्र होगी : सैकिया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोट के कारण अफगानिस्तान के साथ 13 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये है। पांड्या की जगह पर अभी किसी खिलाड़ी को शामिल करने की घोष्णा नहीं की गयी है। वहीं इसको लेकर अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया का बयान आया है। सैकिया ने कहा कि चयन समिति जल्द ही यह फैसला करेगी कि उनके स्थान पर किसी खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाए या वर्तमान 14 खिलाड़ियों के साथ ही सीरीज खेली जाए। सैकिया ने कहा, हार्दिक पांड्या चोट के कारण एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनके विकल्प को लेकर जल्द फैसला लिया जाएगा। पांड्या इसी महीने बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीआई) पहुंचे थे। आईपीएल में खेलते हुए उनकी पीठ में एंठन आ गयी थी। रिहैब के दौरान उन्हें खेलने की मंजूरी मिल गई थी, लेकिन बाद में जांघ की मांसपेशी में खिंचाव को देखते हुए उन्हें कुछ सप्ताह के लिए आराम की सलाह दी गई। उम्मीद है कि वह अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज तक फिट हो जाएंगे। हार्दिक की गैरमौजूदगी में नितीश कुमार रेड्डी को उनकी जगह अंतिम ग्यारह में मौका मिल सकता है। आईपीएल 2026 में अपनी तेज गेंदबाजी और अच्छी बल्लेबाजी से नितीश ने प्रभावित किया था। नितीश ने 14 मैचों में 8 विकेट हासिल किए थे और कई अवसरों पर जबरदस्त बल्लेबाजी भी की है। उनके अलावा शिवदुबे और अर्शद खान भी दावेदार हो सकते हैं। शिवम दुबे फिलहाल टी20 मुंबई लीग में खेल रहे हैं, जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शद खान भारत-ए की ओर से श्रीलंका-ए और अफगानिस्तान-ए के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में हिस्सा ले रहे हैं।

ओलंपिक में विराट और वैभव को पारी की शुरुआत के लिए शामिल करे बीसीसीआई : श्रीसंत

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर एस. श्रीसंत भी उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी से बेहद प्रभावित हैं। इसी को देखते हुए श्रीसंत ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि साल 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में भारतीय टीम की पारी की शुरुआत के लिए अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी को रखे। गौरतलब है कि साल 2028 में लॉस एंजिल्स में आयोजित होने वाले ओलंपिक खेलों से क्रिकेट की वापसी हो रही है। जिससे लेकर क्रिकेट जगत में बेहद उत्साह है। इसमें टी20 प्रारुप में मुकाबले रखे गये हैं। इसमें भारत सहित कुल छह शीर्ष टीमों को भाग लेने का अवसर मिलेगा।

श्रीसंत के अनुसार ओलंपिक खेलों के लिए विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ी को टीम में रखा जाना चाहिए, और उनके साथ ही 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी मौका मिलना चाहिए। श्रीसंत के इस सुझाव के पीछे एक अनुभवी और एक युवा बल्लेबाज के मिश्रण से शीर्ष क्रम को मजबूती देने का विचार है। हालांकि, यह अनुरोध पूरा करना बीसीसीआई के लिए संभव नजर नहीं आता क्योंकि विराट ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया हैं, और वैभव को भी अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करना है।

श्रीसंत ने एक वीडियो में कहा, विराट ने जो काम किया है, वह अविश्वसनीय है। यदि हम ओलंपिक स्वर्ण की बात कर रहे हैं, तो मैं अनुरोध करता हूं कि विराट टीम में खेलें। यह सीनियर और जूनियर का एक बेहतरीन मिश्रण होगा। विराट के साथ सूर्यवंशी का उतरना अद्भुत होगा। उन्होंने कहा, चयनकर्ताओं को विराट को टी20 में बनाए रखना चाहिए, क्योंकि उनकी फिटनेस अभी शीर्ष स्तर की है।गौरतलब है कि विराट का टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा है, जबकि वैभव ने आईपीएल में धमाकेदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा दिखायी है। इसलिए उन्हें भविष्य का सितारा माना जा रहा है, और उनकी क्षमताओं को देखते हुए ही उन्हें आगामी एशियई खेलों के लिए भी भारतीय टीम में चुना गया है।

फीफा विश्व कप : पहले दिन के अपने खराब रिकॉर्ड को बदलना चाहेगा मैक्सिको

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। सहमेजबान मैक्सिको का फुटबॉल विश्व कप के पहले दिन खेलते हुए रिकॉर्ड काफी खराब है और टीम आमतौर पर विश्व कप के पहले दिन अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती। पिछले सात प्रयास में मैक्सिको की टीम को पांच बार हार का सामना करना पड़ा जबकि दो मैच ड्रॉ रहे। बृहस्पतिवार को मैक्सिको को एक और मौका मिलेगा जब वह 48 टीम वाले टूर्नामेंट के शुरुआती दिन दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा।

कोच जेवियर एग्वायरे ने बुधवार को एज्टेका स्टेडियम में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमें इस सिलसिले को तोड़ना होगा।'' बिना जीत वाले इस सिलसिले के बारे में उन्होंने कहा, ''मुझे इसके बारे में पता नहीं था लेकिन मैं

खिलाड़ियों को इसके बारे में बताऊंगा। यह उन्हें यह बताने का एक अच्छा कारण है कि हमें मैदान पर उतरकर मैच जीतना है। उम्मीद है कि हम कल इस सिलसिले को तोड़ देंगे।'

मैच दक्षिण अफ्रीका में 2010 विश्व कप के उद्घाटन मैच जैसा ही है। वह मैच जोहानिसबर्ग में 1-1 से ड्रॉ हुआ था। मैक्सिको के मैनेजर के तौर पर अपना तीसरा कार्यकाल संभाल रहे एग्वायरे ने टीम को वर्षों बाद अपना सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खेलते हुए देखा है और टीत सात मैच के अजेय अभियान के साथ विश्व कप में उतर रही है। मैक्सिको को अपनी पिछली हार नवंबर में पैराग्वे के खिलाफ मिली थी।

एग्वायरे ने कहा, 'यह हमारे लिए एक शानदार दिन हो सकता है। चाहे कुछ भी हो यह एक ऐसा जश्न होगा जो दशकों तक याद रखा जाएगा।' एग्वायरे ने 1986 में अपने देश में हुए विश्व कप में मैक्सिको का प्रतिनिधित्व किया था तब टीम ने टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच नहीं खेला था लेकिन क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। मैक्सिको 1930, 1950, 1954, 1958 और 1962 विश्व कप में पहले दिन हुए अपने मैच हार गया था और 1970 (अपने देश में) और 2010 में मैच ड्रॉ रहे थे।

विंबलडन ने इनामी राशि में किया भारी इजाफा, एकल विजेताओं को मिलेंगे 48 लाख डॉलर

लंदन। खिलाड़ियों की राजस्व में अधिक हिस्सेदारी की मांग के बीच विंबलडन ने कुल इनामी राशि में 20 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी का ऐलान किया। अगले महीने होने वाले इस ग्रास कोर्ट ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट के एकल चैंपियन को अब 36 लाख पाउंड (48 लाख डॉलर) मिलेंगे। ऑल इंग्लैंड क्लब की अध्यक्ष डेबोरा जेवन्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि खिलाड़ियों के रोजाना भत्ते सहित कुल इनामी राशि छह करोड़ 42 लाख पाउंड (आठ करोड़ 58 लाख डॉलर) होगी। खिलाड़ी लंबे समय से चार ग्रैंडस्लैम से होने वाली कमाई में अधिक हिस्सेदारी की मांग कर रहे हैं और हाल ही में उन्होंने सामूहिक कार्रवाई की दिशा में कदम उठाना शुरू किया है। फ्रेंच ओपन से पहले दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कहा था कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं तो खिलाड़ियों को किसी ना किसी स्तर पर बहिष्कार करना चाहिए। पुरुषों के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, कोको गॉफ और अन्य खिलाड़ियों ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखी। इसके बाद रोलां गैरो पर टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में शीर्ष 10 खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट से होने वाली कमाई में अपने हिस्से को लेकर सांकेतिक विरोध जताते हुए पत्रकारों के साथ अपने सत्र को 15 मिनट तक ही सीमित रखा। एक साल से कुछ अधिक समय पहले 20 प्रमुख खिलाड़ियों ने चारों ग्रैंडस्लैम के प्रमुखों को एक पत्र भेजा था जिसमें अधिक इनामी राशि और फैसले लेने की प्रक्रिया में अपनी अधिक भागीदारी की मांग की गई थी।

महिला टी20 विश्वकप : अभ्यास मैच में इंग्लैंड ने भारतीय टीम को 5 रनों से हराया

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में 5 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। शनिवार से शुरु हो रहे टी20 विश्वकप को देखते हुए ये मैच काफी अहम माना जा रहा था। इस मैच मेजबान इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम को 172 रनों का लक्ष्य दिया। जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम 19.5 ओवर में 166 रन ही बना पायी। इस प्रकार उसे करीबी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने सबसे अधिक 68 रन बनाये। इससे पहले भारतीय टीम ने ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाये। इंग्लैंड की तरफ से एमी जोंस ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 45 गेंदों पर शानदार 64 रन बनाए। वहीं, नट सेवियर ब्रंट ने भी 45 गेंदों पर 57 रन बनाये। डानी गिब्सन ने 12 गेंदों पर 4 चौकों और 1 छक्के की सहायता से नाबाद 30 रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से श्रेयांका पाटिल ने दो विकेट लिए जबकि शेफाली वर्मा, रेणुका सिंह, श्री कारणी और राधा यादव को एक-एक विकेट मिला। इसके बाद 172 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज 20 रनों के अंदर ही सिमट गये पर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए ऋचा ने 36 गेंदों पर ही 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 68 रन बना दिये। वहीं इंग्लैंड की ओर से लिंसे स्मिथ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट हासिल किए, जबकि चार्ली डीन, कोलमैन और डानी गिब्सन को दो-दो विकेट मिले। इजी वॉंग ने भी एक विकेट लिया।

स्टोक्स को दूसरे टेस्ट के लिए कप्तानी के साथ ही टीम से बाहर करने पर भड़के वॉन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने नाइटक्लब विवाद को लेकर बेन स्टोक्स को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए कप्तानी से हटाने के साथ ही टीम से बाहर करने पर नाराजगी जतायी है। इंग्लैंड और मेहमान टीम न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट केनिंग्टन ओवल, लंदन में 17 जून से खेला जाएगा पर इस मैच से पहले इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने स्टोक और गस एटकिंसन को टीम से बाहर कर दिया है। ईसीबी ने जो रूट को दूसरे टेस्ट के लिए कप्तान बनाया है। इस फैसले पर भड़े वॉन का मानना है कि स्टोक्स ने जरूर गलती की है, मगर उन्हें कप्तानी से नहीं हटाना चाहिए थे। बता दें, बेन स्टोक्स की अगुवाई में ही इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में हुए पहले टेस्ट में जीत दर्ज कर तीन मैच की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई थी। वॉन ने कहा कि स्टोक्स ने नीयम तोड़कर गलती की थी पर उन्होंने सवाल किया कि क्या यह गलती इतनी गंभीर थी कि उन्हें कप्तानी के पद से हटाया जाए। वॉन ने लिखा, स्टोक्स ने नियम तोड़ा। हां, उन्होंने गलती की। लेकिन क्या यह इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के तौर पर हटाने लायक गलती है? मुझे ऐसा नहीं लगता। वॉन ने कहा कि ईसीसी को कार्रवाई का पूरा अधिकार है पर वह स्टोक्स को लीडरशिप रोल से हटाने के किसी भी कदम से सहमत नहीं हैं। उन्होंने लिखा, ईसीब को इतना साहसी और मजबूत होना होगा कि वह वही करे जो उसे सही लगता है। अगर इसका मतलब उसे निकालना है तो ठीक है, लेकिन मैं इस मुद्दे पर उस फैसले से सहमत नहीं हूं। वॉन ने स्टोक्स का बचाव ऐसे समय में किया है जब टीम प्रोटोकॉल तोड़ने के बाद इंग्लैंड के कप्तान का भविष्य चर्चा का विषय बन गया है। यह मानते हुए कि वॉन ने तर्क दिया कि सजा गलती के हिसाब से होनी चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की हाल की सफलता में स्टोक्स की भूमिका को देखते हुए पूर्व कप्तान ने कहा कि फैसले में गलती होने पर कप्तानी अपने आप नहीं चली जानी चाहिए।

टी20 विश्वकप से 60 गुना अधिक है फीफा विश्वकप की इनामी राशि

सेन डियागो (एजेंसी)। अमेरिकि, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से हो रहे टी20 विश्कवकप में पिछले बार से भी अधिक इनामी राशि मिलेगी। वहीं अगर टी20 क्रिकेट विश्वकप से तुलना की जाये तो फीफा विश्व की इनामी राशि 60 गुना अधिक है। इस प्रकार देखा जाये तो क्रिकेट और फुटबॉल जैसे दो सबसे लोकप्रिय खेलों के विश्वक कप की इनामी राशि में भारी अंतर है। जिससे सभी हैरान हैं। फीफा विश्व कप 2026 में इस बार कुल 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट से पहले ही फीफा ने इस साल की इनामी राशि घोषित कर दी है। जिसमें पिछली बार के मुकाबले लगभग 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़त हुई है। पिछली बार 2022 में फीफा वर्ल्ड प अर्जेंटीना ने खिताब जीता था, और उस समय कुल इनामी राशि 440 मिलियन डॉलर थी। वहीं साल 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 655 मिलियन डॉलर (लगभग 6241 करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है।

अब अगर इस विशाल राशि की तुलना हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप 2026 से करें, तो यह अंतर और भी हैरान करने वाला हो जाता है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने भारत में आयोजित टी20 विश्व कप 2026 जीतकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता था। ऐसे में उसे कुल प्राइज मनी 11.25 मिलियन डॉलर में से विजेता के तौर पर 2.63 मिलियन डॉलर (लगभग 24.28 करोड़ रुपये) मिले थे। वहीं फीफा विश्व कप 2026 की कुल प्राइज मनी टी20 वर्ल्ड कप की तुलना में 60 गुना अधिक है। इतना ही नहीं, फीफा विश्व कप में 33वें से 48वें स्थान पर रहने वाली टीमों को भी 9-9 मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) का इनाम मिलेगा, जो टी20 वर्ल्ड कप 2026 विजेता टीम इंडिया को मिली राशि से तीन गुना से भी ज्यादा है। और अगर हम फीफा वर्ल्ड कप 2026 के चैंपियन की इनामी राशि देखें, तो विजेता टीम को 50 मिलियन डॉलर (लगभग 476 करोड़ रुपये) मिलेंगे। ये टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम की राशि से 19 गुना अधिक है। उप-विजेता टीम को भी 33 मिलियन डॉलर यानी 314 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे। वहीं तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 29 मिलियन डॉलर (लगभग 276 करोड़ रुपये) मिलेंगे। चौथे स्थान पर 27 मिलियन डॉलर (लगभग 257 करोड़ रुपये) जबकि 5वें से 8वें स्थान तक- 19 मिलियन डॉलर (लगभग 181 करोड़ रुपये)। 9वें से 16वें स्थान तक- 15 मिलियन डॉलर (लगभग 143 करोड़ रुपये)।

17वें से 32वें स्थान तक- 11 मिलियन डॉलर (लगभग 105 करोड़ रुपये) और 33वें से 48वें स्थान तक- 9 मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) दिये जाएंगे।